MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 09 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-126

शुभेंदु अधिकारी
आज 11 बजे लेंगे शपथ

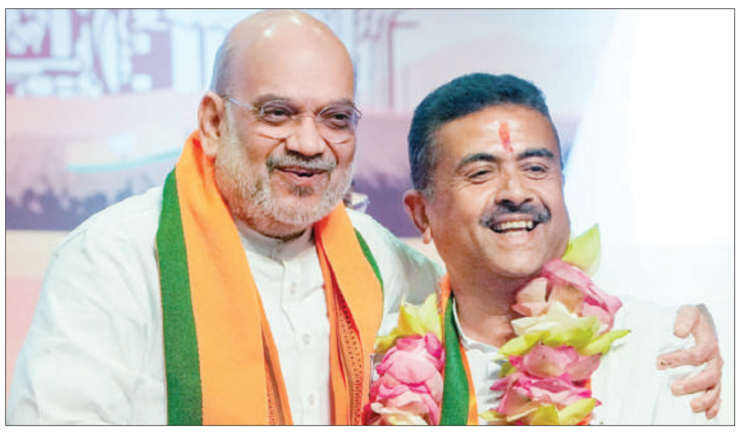

नई दिल्ली , 08 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चल रहे लंबे राजनीतिक सस्पेंस पर आखिरकार विराम लग गया है। कोलकाता में शुक्रवार को हुई बीजेपी विधायक दल की अहम बैठक में शुभेंदु अधिकारी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद उनके नाम का ऐलान किया, जिसके बाद अब यह साफ हो गया है कि शुभेंदु अधिकारी ही पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

इसके बाद शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता में राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात की। उन्होंने विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपकर आधिकारिक तौर पर नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। अब शनिवार यानी 9 मई को सुबह 11 बजे होने वाले भव्य शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया है।

कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई इस हाई-प्रोफाइल बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के साथ पर्यवेक्षक के तौर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे। नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी भावुक नजर आए। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का आभार जताया। शुभेंदु ने कहा कि यह जीत मेरी नहीं, बल्कि उन करोड़ों बंगाल वासियों की है जिन्होंने बदलाव के संकल्प को वोट दिया है। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अब सरकार गठन की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को राजभवन जाकर राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात की। ▶3पर

शुभेंदु का सियासी सफर

कोलकाता , 08 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में अगर किसी एक चेहरे ने बीजेपी को हाशिए से उठाकर सत्ता के दरवाजे तक पहुंचाया है, तो वह नाम है शुभेंदु अधिकारी। कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगी रहे शुभेंदु आज बंगाल में बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं। 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के पीछे जिस रणनीतिकार की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह शुभेंदु अधिकारी ही हैं। ▶3पर

शुभेंदु सरकार में लिए जा सकते हैं ये बड़े फैसले

बंगाल में बीजेपी सरकार के गठन के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने के लिए नया कानून लाया जा सकता है। 7वां वेतन आयोग पश्चिम बंगाल में राज्य कर्मचारियों के लिए लागू किया जाएगा। राजनीतिक हिंसा और अपराध पर सख्त जीरो-टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में किए वादे के अनुसार महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'एंटी रोमियो स्कायड' का गठन कर सकती है। बंगाल के हर सब-डिविजन में एक महिला पुलिस स्टेशन बनाने की योजना है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता दे सकती है। बीजेपी के प्रमुख वादों में अवैध घुसपैठियों का मुद्दा भी है। सरकार डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट की नीति पर काम कर सकती है। अवैध घुसपैठ को पूरी तरह रोकने के लिए सख्त नीति और बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए सरकार जमीन देगी। शुभेंदु अधिकारी ने बीजेपी विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद कहा कि यह निर्णय ▶3पर

सनसनीखेज वारदात
पूर्व आईपीएस अधिकारी की पत्नी की निर्मम हत्या

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) शहर के पॉश इलाके जुबली हिल्स में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ के प्रशासन नगर स्थित निवास पर पूर्व आईपीएस अधिकारी विनय रंजन रे की पत्नी, तनुजा रंजन की बेरहमी से हत्या कर दी गई। विनय रंजन राय आंध्र प्रदेश कैडर के डीजी रैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना के समय विनय रंजन राय शहर से बाहर थे, जबकि उनके बच्चे घर की ऊपरी मंजिल पर मौजूद थे। लुटेरों ने मुख्य रूप से घर में रखी नकदी और सोने के गहनों पर हाथ साफ किया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए तेलंगाना के डीजीपी सी.वी. आनंद और हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर (सीपी) वी.सी. सज्जनार ने तुरंत मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, घर से भारी मात्रा में सोना और संपत्ति लूटी गई है। हमें इस अपराध में एक नेपाली गैंग और घर में काम करने वाली एक नेपाली महिला घरेलू सहायिका की संलिप्तता का संदेह है। मृतका के हाथ बंधे हुए थे और मुँह में कपड़ा ठूँसा गया था, जिससे दम घुटने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस कमिश्नर ने नागरिकों को सतर्क करते हुए कहा कि जो लोग अपने घरों में नेपाली मूल के व्यक्तियों को काम पर रखते हैं, उन्हें उन पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। पुलिस ने इस मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए कई विशेष टीमों का गठन किया है और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए क्लूज टीम और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों को तैनात किया गया है।

खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने भी अपराध स्थल का दौरा किया। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि नेपाली गैंग की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है और पुलिस दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

वर्तमान में पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

पुडुचेरी में एनडीए ने किया सरकार बनाने का दावा
रंगासामी 13 को लेंगे शपथ

नई दिल्ली , 08 मई (एजेंसियां)। पुडुचेरी में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) प्रमुख एन. रंगासामी ने शुक्रवार को उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान उनके साथ एनडीए गठबंधन के नवनिर्वाचित विधायक भी मौजूद रहे।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रंगासामी द्वारा सौंपा गया समर्थन पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

इसके बाद सरकार गठन की औपचारिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। सूत्रों के मुताबिक, एन. रंगासामी 13 मई को पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके नेतृत्व में एनडीए गठबंधन ने विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 में से 12 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए चार सीटें जीतीं। एनडीए के अन्य सहयोगी दल एआईएडीएमके और लाचिया जननायगा काची (एलजेके) ने भी एक-एक सीट हासिल की। इस तरह 30 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए गठबंधन के पास कुल 18 सीटें हो गई हैं, जो बहुमत के आंकड़े से काफी ज्यादा हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा नामित किए जाने वाले तीन सदस्य भी विधानसभा का हिस्सा होंगे, जिससे गठबंधन की स्थिति और मजबूत हो सकती है।

विपक्ष की बात करें तो डीएमके को पांच सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस सिर्फ एक सीट जीत सकी। तमिलनाडु की अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिऴगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने पहली बार चुनाव लड़ते हुए दो सीटों पर जीत दर्ज की है।

सरकार गठन का दावा पेश करने से पहले शुक्रवार को एनडीए विधायक दल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी।

विजय शपथ 'ग्रहण'!
कांग्रेस विधायक हैदराबाद में, वीसीके फैसला टला

चेन्नई, 08 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में तमिलग वेट्रिक कड़गम (टीवीके) प्रमुख विजय की सरकार बनने में अभी नाटकीय मोड़ आ गया है। विजय को शनिवार सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री की शपथ लेनी थी। लेकिन अभी दो महत्वपूर्ण पार्टियों का समर्थन पत्र नहीं आया है। विदुतालाई चिरुताइगल कट्टी (वीसीके) ने कहा है कि वह शनिवार को अपना फैसला बताएगी। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने साफ कहा है कि वह डीएमके के साथ है, विजय के साथ नहीं। इन सबके बीच प्रदेश के कांग्रेस विधायक देर रात बेंगलुरु पहुंच गए हैं। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कांग्रेस ने दो मंत्री पद सहित कुछ अन्य माँगों को मनवाने के लिए हैदराबाद में डेरा डाला है। विजय ने अभी तक राज्यपाल को 116 विधायकों के समर्थन का पत्र दिया है। इसमें वीसीके के 107 विधायक हैं, कांग्रेस के पांच हैं और सीपीआई-सीपीएम के चार हैं। लेकिन सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए। विजय के पास अभी 116 हैं, यानी दो विधायक अभी कम हैं।

कौन हैं ये दोनों पार्टियां जिनका इंतजार है? दोनों पार्टियां हैं वीसीके और आईयूएमएल । वीसीके के दो विधायक हैं। आईयूएमएल के पास भी दो विधायक हैं। अगर दोनों विजय को समर्थन दें तो विजय के 116+2+2=120 विधायक हो जाएंगे।

वीसीके ने एक आधिकारिक बयान दिया है। उसमें कहा गया है कि वीसीके की एक उच्चस्तरीय समिति की ऑनलाइन बैठक हुई। पूरे तमिलनाडु से समिति के सदस्य बैठक में शामिल हुए। सभी ने अपनी-अपनी राय दी। इन सभी विचारों के आधार पर कुछ प्रस्ताव पारित किए गए। वीसीके के नेता जो इजुच्छि तामिझार कहलाते हैं, वे शनिवार सुबह आधिकारिक तौर पर पार्टी का फैसला घोषित करेंगे।

वीसीके ने यह भी कहा कि मीडिया में दो अलग-अलग और विरोधाभासी विचार प्रसारित हो रहे हैं, जिससे तमिलनाडु के लोगों में भ्रम पैदा हो रहा है। इससे पार्टी की अच्छी छवि को नुकसान हो रहा है। इसलिए पार्टी शनिवार सुबह सब कुछ साफ कर देगी।

आईयूएमएल ने एक बयान दिया है, जिसमें उसने साफ किया है कि उसने विजय को समर्थन नहीं दिया है। कुछ अखबारों में खबरें थीं कि आईयूएमएल विजय को समर्थन दे रहा है। लेकिन यह गलत है। आईयूएमएल ने कहा है कि बहुत सारे लोग उसके पास आए। विजय की पार्टी के भी महत्वपूर्ण लोग उनसे मिले। ▶3पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 24°

के.सी. वेणुगोपाल सबसे आगे
46 विधायकों का समर्थन, 11 को शपथ

नई दिल्ली , 08 मई (एजेंसियां)। पांच राज्यों के चुनावी नतीजे आ चुके हैं। असम, पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने प्रचंड जीत हासिल की तो वहीं केरल में कांग्रेस गठबंधन जीता। पुडुचेरी में बीजेपी गठबंधन वाली सरकार जीती तो तमिलनाडु में सरकार कौन बनाएगा, यही क्लियर नहीं है। इस बीच केरल के सीएम पर भी चर्चा तेज हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद के.सी. वेणुगोपाल प्रदेश के अगले सीएम हो सकते हैं। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि तीन दावेदारों में तगड़ी जोर आजमाइश चल रही है जिसमें के.सी. वेणुगोपाल का नाम फाइनल माना जा रहा है।

केरल के लिए कांग्रेस के पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिलने पहुंचे थे। साथ में प्रभारी दीपा दासमुंशी भी थीं। दोनों पर्यवेक्षक केरल में नए विधायकों से कल मिले थे। खरगे से मिलने के बाद अजय माकन ने कहा कि हमने अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष को सौंप दी है। केरल के लिए कांग्रेस के एआईसीसी पर्यवेक्षक अजय माकन ने कहा कि हमने केरल के सभी कांग्रेस विधायकों के साथ चर्चा की है। एक एक लाइन प्रस्ताव पारित किया गया है। मुख्यमंत्री के चेहरे पर फैसला जल्द ही लिया जाएगा। सूत्रों के हवाले से मुख्यमंत्री पद की दौड़ में के.सी. वेणुगोपाल का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। ज्यादातर विधायकों का समर्थन उन्हें मिला है। पार्टी चाहती है कि मुख्यमंत्री के नाम को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाए। ▶3पर

हॉर्मुज में दखल दिया तो जंग होगी : अराघची
ईरान पर फिर बमबारी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी , 08 मई (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दावा किया है कि ईरान ने उसके खिलाफ दो बैलिस्टिक मिसाइल और तीन ड्रोन दागे हैं। यूएई रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सभी टारगेट्स को हवा में ही मार गिराया गया। हमले में तीन लोग घायल हुए हैं। हालांकि इस दावे पर ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

इसी बीच अमेरिका ने सीजफायर के बावजूद ईरान पर फिर बमबारी की। अमेरिका ने कहा कि ईरानी सेना ने उसके जंगी जहाजों पर मिसाइल, ड्रोन और छोटी नावों से हमला किया था। इसके जवाब में अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने डील नहीं की तो अमेरिका आगे भी हमले करेगा।

वहीं, ईरान का दावा है कि अमेरिकी हमले में सैन्य ठिकानों को नहीं, बल्कि नागरिक इलाकों को निशाना बनाया गया। ईरानी सेना ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में हॉर्मुज स्ट्रेट और चाबहार पोर्ट के पास मौजूद अमेरिकी सैन्य जहाजों को निशाना बनाया। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में उसके तेल टैंकरों को निशाना बनाया।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ईरान के मिसाइल भंडार खत्म हो चुके हैं। अराघची ने कहा कि अमेरिकी सीआईए की इंटेलिजेंस गलत है। ▶3पर

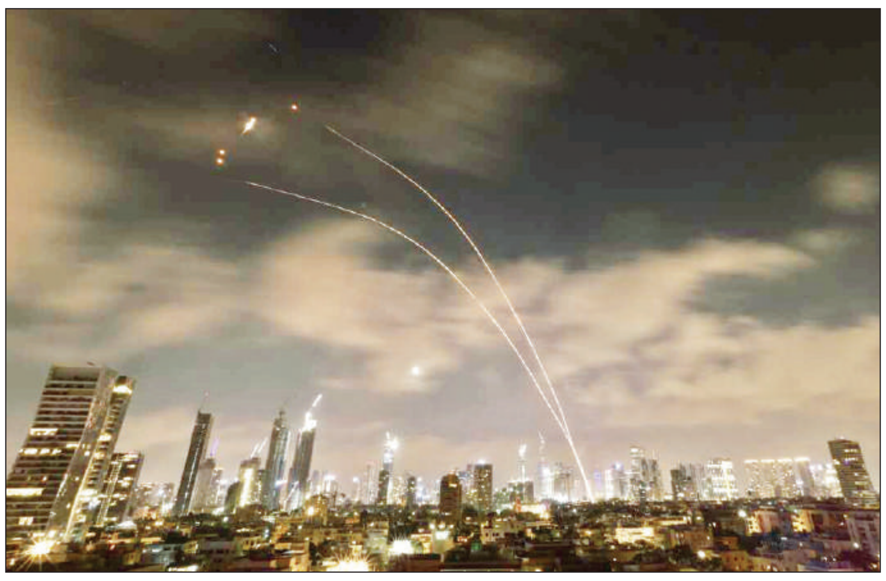

42 दिनों के हमलों के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म नहीं कर सके यूएस-इजराइल

विशेषज्ञ बोले- इस्फहान में मौजूद यूरेनियम ईरान के लिए बैंक में रखी बड़ी पूंजी की तरह

तेहरान

अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ 42 दिनों तक चलाए गए बड़े सैन्य अभियान के बावजूद ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म नहीं हुआ है। एक नई जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारी बमबारी और अरबों डालर के हथियारों के इस्तेमाल के बाद भी ईरान की परमाणु आपूर्ति श्रृंखला के कई अहम हिस्से अब भी सक्रिय हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई परमाणु ठिकानों को नुकसान जरूर पहुंचा है, लेकिन सबसे अहम सामग्री और ढांचे को पूरी तरह नष्ट नहीं किया जा सका है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस्फहान परमाणु परिसर सबसे बड़ी चिंता का विषय है। माना जा रहा है कि यहां बड़ी मात्रा में उच्च स्तर का समृद्ध यूरेनियम भूमिगत सुरंगों में छिपाकर रखा गया है। सैटेलाइट तस्वीरों और विशेषज्ञों के विश्लेषण में यह बात सामने आई कि हमलों से पहले कई ट्रकों के जरिए नीले रंग के कंटेनरों को सुरंगों के अंदर ले जाया गया था।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि इन कंटेनरों में संवर्धित यूरेनियम मौजूद था। हालांकि सतह पर बनी कई इमारतें हमलों में तबाह हो गईं, लेकिन भूमिगत सुरंगों के मुख्य प्रवेश द्वारों को सीधे निशाना नहीं बनाया गया। बाद में ईरान ने इन सुरंगों के रास्तों को मिट्टी और बैरिकेड्स से बंद कर दिया है।

तेहरान स्थित विश्वविद्यालय, जिसे अमेरिका-इजराइल ईरान के परमाणु कार्यक्रम की शुरुआती कड़ी मानते हैं, उस पर भी हमला किया गया। यह संस्थान पहले से अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में है। वहीं सागंड यूरेनियम खदान, जहां से परमाणु कार्यक्रम के लिए कच्चा यूरेनियम निकाला जाता है, वहां किसी बड़े नुकसान के संकेत नहीं हैं। सैटेलाइट तस्वीरों में खदान में मशीनें काम करती दिखाई दीं, जिससे साफ है कि वहां खनन गतिविधियां अब भी जारी हैं। अर्दकान प्रोसेसिंग प्लांट को हमलों में काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन अब तक उसके पुनर्निर्माण की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है।

परमाणु विशेषज्ञ डेविड अल्ब्राइट का कहना है कि इस्फहान में मौजूद यूरेनियम भंडार ईरान के लिए किसी बैंक में रखी बड़ी पूंजी की तरह है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का अनुमान है कि ईरान अब भी नौ महीने से एक साल के अंदर परमाणु बम बनाने की क्षमता रखता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को अभी तक करीब 440 किलोग्राम 60 प्रतिशत समृद्ध यूरेनियम का सही पता नहीं चल पाया है।

माना जा रहा है कि इसका बड़ा हिस्सा भूमिगत सुरंगों में छिपा हुआ है। व्हाइट हाउस ने माना है कि हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन उसे पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सका है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में विपक्षी दलों को प्रधान न्यायाधीश के पद पर मनोज शर्मा के नाम की सिफारिश पर आपत्ति

काठमांडू। नेपाल के विपक्षी दलों ने उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के पद पर डा. मनोज शर्मा के नाम की सिफारिश का विरोध करते हुए आपत्ति जताई है। डा. शर्मा के नाम की सिफारिश गुरुवार को सिंह दरबार में हुई संवैधानिक परिषद की बैठक में की गई। वरीयता क्रम के डा. मनोज शर्मा चौथे स्थान पर हैं। बैठक में ही राष्ट्रीय सभा अध्यक्ष नारायण प्रसाद दाहाल और प्रमुख प्रतिपक्षी दल के नेता भीष्म राज अंगदेम्बे ने अपनी असहमति दर्ज कराई थी। अंगदेम्बे ने पत्रकार सम्मेलन में कहा, न्यायपालिका में परंपरा, मूल्यों और मान्यताओं को तोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने शर्मा के नाम का प्रस्ताव किया। इस पर सहमत नहीं हुआ जा सकता। मैंने निर्णय में अपना असहमति मत दर्ज कराया है। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री प्रदीप पौडेल ने सरकार पर शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, संवैधानिक परिषद संबंधी अध्यादेश पर पहले से ही हमारी असहमति थी। अब स्पष्ट हो गया है कि ऐसा करने के लिए ही अध्यादेश लाया गया था। शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत को तोड़ा गया है। बहुमत से निर्णय लेने के सर्वमान्य सिद्धांत को भी तोड़ा गया है। यूएमएल के उपाध्यक्ष रघुजी पंत ने कहा कि सिफारिश में वरिष्ठता क्रम को नजरअंदाज कर न्यायपालिका पर कार्यपालिका ने हस्तक्षेप किया है। उन्होंने कहा कि देश एक सक्षम महिला प्रधान न्यायाधीश पाने से वंचित रह गया। उन्होंने कहा, इस तरह कार्यपालिका का न्यायपालिका में रुचि दिखाना शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत के विपरीत है। स्वतंत्र न्यायपालिका की मान्यता पर हस्तक्षेप हुआ है। इससे देश की न्याय प्रणाली में बड़ा अव्यवस्था पैदा हो सकती है। जो लोग कल सत्ता में बैठे लोगों की गलतियों पर सवाल उठाते थे, वे उससे भी बड़ी गलती कर रहे हैं। पंत ने कहा किमिनबहादुर रायमाझी, हरिकृष्ण थापा और अनुपराज शर्मा जैसे लोगों ने प्रधान न्यायाधीश बनकर उत्कृष्ट काम किया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के प्रवक्ता प्रकाश ज्वाला ने कहा कि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों को तोड़ रही है। उन्होंने कहा, सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों, मान्यता और परंपराओं को तोड़ते हुए सर्वसत्तावादी तरीके से चलती दिखाई दे रही है। यह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। लोकतांत्रिक आवरण में आए प्रधानमंत्री का अलोकतांत्रिक तरीके से चलने की प्रवृत्ति दिखना चिंता का विषय है।

नेपाल में पोखरा की फेवा झील में फंसे पांच भारतीय पर्यटकों को बचाया गया

काठमांडू। नेपाल के पर्यटकीय स्थल पोखरा स्थित फेवा झील में अचानक आई तेज आंधी और ऊंची लहरों के कारण नाव में फंसे पांच भारतीय पर्यटकों को सशस्त्र पुलिस बल ने सुरक्षित बचा लिया। पोखरा के पुम्दीभुम्दी स्थित लेकहाउस के पास फेवा झील में लकड़ी की नाव से सैर कर रहे भारतीय पर्यटक सुबह आई तेज आंधी की चपेट में आ गए थे। ये सभी पर्यटक फेवा झील के बीच में रहे मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। बचाए गए लोगों में ललिता केम्बागी, यल्लेशा, प्रवीना काले, भास्कर यल्लेश काले और निलकांक्षा शामिल हैं। भारतीय पर्यटकों के संकट में होने की सूचना मिलते ही फेवा झील के वाच एंड रेस्क्यू टावर से सशस्त्र प्रहरी सहायक निरीक्षक देवेन्द्र केसी के नेतृत्व में तत्काल एक टीम रवाना की गई। सशस्त्र पुलिस की आपदा प्रबंधन टीम ने सभी को सुरक्षित रूप से झील से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

अमेरिका में घर बैठे गर्भपात की दवा मंगाने की राह हुई मुश्किल

वाशिंगटन। अमेरिकी अदालत ने उन हजारों महिलाओं के रास्ते में अस्थायी बाधा डाल दी है, जो बिना किसी डाक्टरी सलाह के गर्भपात की गोली, मिफेप्रिस्टोन घर बैठे हासिल कर लेती थी। अदालत के हालिया फैसले के बाद, महिलाएं अपनी मर्ज़ी से अब पर्चे के बिना गर्भपात की यह दवा आनलाइन नहीं मंगा सकेंगी। अमेरिका की 26 वर्षीय एक कामकाजी लड़की, ऐसी ही परिस्थितियों से गुज़री थी। पार्टी के बाद अपने एक दोस्त से उसके अनजाने में शारीरिक संबंध बन गए। कुछ हफ़्तों बाद जब उसका प्रेगनेंसी टेस्ट पाज़िटिव आया, तो उसकी दुनिया हिल गई। उसने सोशल मीडिया पर गर्भपात की गोली खोजी और मिफेप्रिस्टोन के बारे में पढ़ा। बिना किसी डाक्टर की सलाह के, उसने आनलाइन आर्डर कर मेल से यह दवा मंगवाई और खा ली। 24 घंटे बाद मिसोप्रोस्टोल भी ली, जिसके बाद कुछ दिनों तक तेज दर्द और ब्लीडिंग हुई, और उसका काम हो गया। रोजी जैसी हज़ारों महिलाएं पिछले कुछ सालों से अमेरिका में गर्भपात का यही तरीका अपना रही थीं। यूएस कोर्ट आफ अपील्स फार द फिफ्थ सर्किट ने लुयिसियाना राज्य की याचिका पर यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अब टेलीहेल्थ या मेल के ज़रिए मिफेप्रिस्टोन नहीं दी जा सकेगी। इसे व्यक्तिगत रूप से (इन-पर्सन) फार्मेसी से प्राप्त करना होगा।

शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज तक तनाव
अमेरिका ने किया हवाई हमला, ईरान ने भी दिया जवाब

तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य तक तनाव बढ़ गया है। ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तटीय जलक्षेत्र में एक ईरानी तेल टैंकर और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास दूसरे जहाज को निशाना बनाया। इसके अलावा दक्षिणी ईरान के बंदर खमीर, सिरिक और केशम द्वीप के नागरिक इलाकों में अमेरिका की वायुसेना ने हवाई हमला किया। ईरान का दावा है कि उसने दुश्मन को माकूल जवाब दिया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने कहा कि उसने आत्मरक्षा के लिए यह कदम उठाया। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके नौसैनिक बलों पर मिसाइलों, ड्रोन और तेज गति वाली नावों से हमला किया। इसलिए हमला करने के लिए जिम्मेदार ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी ठिकानों पर हुए हमलों को प्यार भरा थप्पड़ बताया है। उन्होंने कहा कि सैन्य विराम जारी है। यह प्रभावी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा: ईरान ने हमसे पंगा लिया। हमने उन्हें उड़ा दिया। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान युद्ध खत्म करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने की बात तो कह रहा है पर वह होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण औपचारिक रूप से स्थापित करने की भी कोशिश कर रहा है।

शिपिंग इंटेलिजेंस फर्म लायड्स लिस्ट का कहना है कि जलडमरूमध्य अब बंद हो गया है। ईरान का कहना है कि उसने हाल ही में एक नई एजेंसी बनाई है। वह यहां से गुजरने वाले जहाजों को मंजूरी देने का काम करेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। इन कूटनीतिक प्रयासों के बीच, अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड आयल की कीमतें गुरुवार को लगभग 100 डालर प्रति बैरल के आसपास बनी रहीं। युद्ध शुरू होने से पहले यह कीमत 70 डालर प्रति बैरल थी।

तेहरान के साथ ताजा तनाव के बीच फ्लोरिडा के टैम्पा स्थित सेंट्रल कमांड ने बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि ताजा हवाई हमला आत्मरक्षा के लिए किया गया। विदेशमंत्री मार्को रूबियो ने पहले ही कह चुके हैं कि अमेरिका आत्मरक्षा करने में पीछे नहीं हटेगा। बताया गया है कि तेहरान में रात को कई जगह धमाके सुने गए। एयर डिफेंस सिस्टम को चालू किया गया। इस दौरान ईरान की राजधानी में दो धमाके हुए। ईरान के दक्षिणी इलाके के मीनाब शहर में गवर्नर ने घर से बाहर आकर एक नौसैनिक अड्डे पर हुए हमलों की पुष्टि की। बंदर अब्बास शहर में भी ताबड़तोड़ धमाके हुए हैं।संयुक्त सैन्य मुख्यालय के अधिकारियों ने बंदर खमीर और सीरिक पर हमलों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों ने दो ईरानी जहाजों को भी निशाना बनाया है।

ट्रंप ने गुरुवार को सोशल ट्रुथ पर कहा कि ईरानी गोलीबारी के बीच अमेरिका के तीन जंगी जहाज होर्मुज से सफलतापूर्वक गुजर गए। जंगी जहाजों को कोई नुकसान भी नहीं पहुंचा। अमेरिकी सेना ने ईरान की हमलावर तेज रफ़्तार नावें, मिसाइलें और ड्रोन नष्ट कर दिए। ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व को पागल करार देते हुए चेतावनी दी कि अगर तेहरान जल्द किसी समझौते पर राजी नहीं हुआ, तो उसे और भी सख्त सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इस पूरे घटनाक्रम के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि इस्लामिक गणराज्य विदेशी दबाव के सामने नहीं झुकेगा। वह हर स्थिति का मुकाबला करने को तैयार है।

नेपाली सेना ने चीन सटे मुस्तांग में अभ्यास शुरू किया

काठमांडू

नेपाल की सेना ने चीन से सटे मुस्तांग जिले के जोमसोम में दो दिवसीय हाई एल्टीट्यूड सर्च एंड रेस्क्यू अभ्यास शुरू किया है। सेना के अनुसार, इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उच्च हिमालयी क्षेत्रों में आक्सीजन की कमी, अत्यधिक ठंड और भौगोलिक दुर्गमता के कारण होने वाले जोखिम और दुर्घटनाओं को कम करना तथा कठिन भू-भाग में खोज और बचाव अभियान को सुदृढ़ बनाना है।

इस अभ्यास में 55 से अधिक सेना के जवान भाग ले रहे हैं, जिनमें मुस्तांग, मनांग जिले के भैरवी दल गुल्म की चार टुकड़ियां, इन्द्र बक्स गण और मिलिट्री हाई स्कूल कैसांग के प्रशिक्षु शामिल हैं। इन्द्र बक्स गण के प्रमुख मेजर जनरल गौरव ध्वज खांड ने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बचाव अभियान चलाने के लिए नेपाली सेना की तकनीकी दक्षता और संचालन क्षमता को बढ़ाना है।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में ग्लेशियर, पहाड़ी खाइयों और हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में फंसे ट्रेकर्स और यात्रियों के बचाव के तौर तरीके शामिल हैं। प्रतिभागियों को गण मुख्यालय के पास एक विशाल चट्टानी पहाड़ी पर रस्सियों की मदद से माडल राक क्लाइम्बिंग अभ्यास कराया जाएगा। शनिवार को घरपझोंग स्थित मिलिट्री हाईस्कूल के पास लगभग 4,000 मीटर की ऊंचाई पर ग्लेशियर रेस्क्यू अभियान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल की 33वीं बटालियन और जिला प्रहरी कार्यालय, मुस्तांग के प्रतिनिधि भी उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नेपाल के भूमिहीनों का विरोध प्रदर्शन

काठमांडू। नेपाल में भूमिहीन लोगों के बस्तियों पर सरकारी डोजर चलाए जाने के विरोध में रुपन्देही जिले के भूमिहीन लोगों ने बुटवल में प्रदर्शन करते हुए प्रदधानमंत्री बालेन्द्र शाह से सवाल किया कि उनका वोट वैध है तो वे कैसे अवैध हो सकते हैं। प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई तुरंत रोकने और जिन जमीनों की पहले ही नाप हो चुकी है, उनका लालपुर्जा (मालिकाना प्रमाणपत्र) तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की। घोषित चरणबद्ध आंदोलन कार्यक्रम के तहत भूमिहीन सुकुमबासी तथा अव्यवस्थित संघर्ष समिति के आह्वान पर बुटवल में प्रदर्शन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारे लगाए, जिनमें हमारा कर वैध, हमारा वोट वैध, फिर हम कैसे अवैध बालेन सरकार जैसे नारे शामिल हैं। डोजर आतंक का कड़ा विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। भूमिहीन तथा अव्यवस्थित संघर्ष समिति के अनुसार, ट्रैफिक चौक पर सभा आयोजित की जाएगी और प्रदर्शन के दौरान जिले के स्थानीय निकायों तथा प्रदेश सरकार को ज्ञापन पत्र भी सौंपा जाएगा।

सऊदी अरब के इनकार ने ट्रंप की निकाली हेकड़ी, बढ़ेंगी मुश्किलें

अमेरिका के प्रोजेक्ट फ्रीडम पर लगा ब्रेक

रियाद

पश्चिम एशिया में अपने दबदबे को पुनर्जीवित करने की कोशिशों में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बड़ा कूटनीतिक और सैन्य झटका लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) को ईरानी नियंत्रण से मुक्त कराने और जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने के लिए शुरू किया गया अमेरिकी सैन्य अभियान प्रोजेक्ट फ्रीडम महज 36 घंटे के भीतर ही रोकना पड़ा है। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मिशन को रोकने का श्रेय पाकिस्तान और अन्य देशों के साथ चल रही शांति वार्ता को दिया है, लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

ताजा रिपोर्टों के अनुसार, इस मिशन के अचानक रुकने की मुख्य वजह पाकिस्तान का आग्रह नहीं, बल्कि अमेरिका के सबसे भरोसेमंद सहयोगी सऊदी अरब का सख्त रुख है। बताया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने इस सैन्य आपरेशन का ऐलान करने से पहले खाड़ी देशों को पूरी तरह भरोसे में नहीं लिया था। जब रविवार को अचानक इस मिशन की शुरुआत हुई, तो क्षेत्रीय सहयोग के

अभाव में स्थितियां बिगड़ गईं। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब सऊदी अरब ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपने प्रिंस सुल्तान एयरबेस से अमेरिकी लड़ाकू विमानों को उड़ान भरने की इजाजत नहीं देगा। इसके साथ ही सऊदी अरब ने अपने हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी। बिना सऊदी अरब की भौगोलिक और सामरिक मदद के, ईरान के प्रभाव वाले इस क्षेत्र में किसी भी बड़े सैन्य आपरेशन को अंजाम देना अमेरिका के लिए लगभग असंभव था। सूत्रों के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच फोन पर लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन सऊदी अरब अपने रुख पर कायम रहा, जिसके बाद वाशिंगटन को मजबूरी में पीछे हटना पड़ा। आपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम के शुरुआती घंटों में अमेरिका ने दो जहाजों को निकालने में सफलता जरूर हासिल की थी और भारी सैन्य साजो-सामान भी तैनात किया था। लेकिन अमेरिकी सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि सहयोगी देशों के बेस और एयरस्पेस के बिना जहाजों को एस्कार्ट करना और हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करना जोखिम भरा काम है। अपनी फजीहत से बचने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने बाद में यह बयान जारी किया कि पाकिस्तान और अन्य मध्यस्थों के अनुरोध पर बातचीत के लिए समय दिया गया है। फिलहाल, होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर संकट बरकरार है और अमेरिका इस समझौते की तलाश में है।

यूक्रेन ने रूस में विजय दिवस समारोह से पहले की ड्रोन हमलों की बौछार

मास्को

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ा युद्ध पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पश्चिमी देशों का समर्थन प्राप्त यूक्रेन और रूस के बीच 24 फरवरी 2022 से शुरू यह युद्ध अब वैश्विक कूटनीतिक और आर्थिक तनाव का केंद्र बन गया है। रूस में नौ मई को विजय दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए रूस ने एकतरफा सैन्य विराम की घोषणा की है। यह 8 मई आधी रात से प्रभावी होगा। यूक्रेन ने गुरुवार रात रूस पर ड्रोन हमलों की बौछार की है।

तास न्यूज एजेंसी और मास्को टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने दावा किया है कि हमले के लिए दागे गए यूक्रेन के 347 ड्रोन को मार गिराया है। यूक्रेन ने 20 से ज्यादा रूसी क्षेत्रों को निशाना बनाने के मकसद से ड्रोन की बौछार की। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन लान्च किए थे।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मास्को समेत कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय करना पड़ा। गुरुवार दिन में भी यूक्रेन ने कई और ड्रोन भेजे। यह मास्को की तरफ बढ़ रहे थे। इसका असर राजधानी के हवाई यातायात पर भी पड़ा। मास्को के तीन बड़े एयरपोर्टरेमेत्येवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो से करीब 100 उड़ानें रद या देर से संचालित हुईं। महत्वपूर्ण है कि रूस के सैन्य विराम की घोषणा से पहले यूक्रेन ने भी मंगलवार आधी रात से हमले रोकने की बात कही थी।

यूक्रेन का दावा है कि उसके दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में रूसी ड्रोन हमले में तीन बच्चों समेत नौ लोग घायल हो गए। रूस ने रातभर में 102 ड्रोन दागे। उनमें से 92 को मार गिराया। रूस के सैन्य अधिकारियों ने कहा कि विजय दिवस समारोह शुरू होने से पहले सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। 9 मई को मास्को में मोबाइल इंटरनेट और मैसेजिंग सेवाएं भी बंद रहेंगी। इस बार परेड में टैंक, मिसाइल और भारी सैन्य उपकरण नहीं दिखेंगे। मंत्रालय ने इसकी वजह मौजूदा सुरक्षा स्थिति बताई है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि स्थिति जटिल है। बावजूद इसके विजय दिवस पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। वहीं, रूस ने यूक्रेन को चेतावनी दी है कि अगर विजय दिवस समारोह में कोई बाधा डालने की कोशिश हुई तो कीव पर बड़े स्तर का जवाबी हमला किया जा सकता है। रूस के राष्ट्रपति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि जवाबी कार्रवाई की संभावना को लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कीव में मौजूद विदेशी दूतावासों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी एहतियातन अपने कार्यालय खाली करने की सलाह दी है। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने सेंट पीटर्सबर्ग में आम नागरिकों की जगहों पर ड्रोन हमले करने के लिए लातवियाई हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया। यह आरोप तब लगाया गया, जब लातविया ने कहा कि रूस की तरफ से कई ड्रोन उसके इलाके में घुस आए। लातवियाई अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार तड़के दो ड्रोन उनके इलाके में गिर गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव रहेगा पारिवारीक झगड़े बढ़ सकते हैं कहासुनी होगी और सहयोगियों के साथ विवाद संभव है. आपको विनम्रता एवं धैर्य के साथ मसलों को निपटाना होगा संपत्ति सम्बंधित मामलों में सावधानी से निपटने की आवश्यकता है और इस संबंध में आपको एक ठोस कदम उठाना चाहिए. स्त्री वर्ग की सेहत कुछ चिंता का कारण बन सकती है. यह समय किसी नए कारोबार मे निवेश के लिए श्रेष्ठ नही हैं, सेहत बढीया रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को संतुलित भोजन लेने की आवश्यकता हैं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपके काम समय से पूरे होंगे. साथ ही आपको अपनी मेहनत का फल भी अवश्य मिलेगा. आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. कुछ लोगों को आप का व्यक्तित्व प्रभावित करेगा ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद के लिये तैयार खड़े रहेंगे. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा . हराचारा गौशाला मे दान करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आय के स्त्रोत बढेंगे धन लाभ हो सकता है. ऐसे काम करना होगा जो लंबे समय तक फायदा देगा कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं. अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है. आप बुद्धि से अपने काम पूरे करवा सकते हैं. आज आप खुद को साबित करके दिखा देंगे. दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलनेके योग हैं. कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है. आप खुश हो जाएंगे । बच्चों का सहयोग रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज क्रोध के आवेश मे आकर घरेलू मसले आप उलझाएंगे दिमाग़ को ठंडा रखें ऐसे व्यवहार से काम करने की क्षमता को भी ख़राब कर देंगे. धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करें. आज आप घर के कामों में व्यस्त रहेंगे. इस वजह से बाहर जाना मुश्किल होगा. धन खर्च की मात्रा बढ़ेगी. आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद साबित होगा. सुबह घर मे गोबर की धूप प्रज्वलित करें मानसिक शान्ति होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिश्रित रहेगा आप मे से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है.किसी के लिए तकलीफ़े पैदा हो सकती हैं आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे. सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए कुछ विशेष उपलब्धि संभव है. कारोबारी के लिए समय शुभ है. नए संघों का गठन भी किया जा सकता है, जो लाभकारी होंगे. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा. पारिवारिक संबंध और बातचीत अच्छी रहेगी और घर मे उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन का काम फटाफट पूरा होगा आप रिलैक्स फील करेंगें । छात्रों के लिए दिन उत्साह वर्धक रहेगा पहले की तुलना मे अच्छे और संतोष जनक परिणाम आएंगे . वकालत करनेवालो के लिए दिन तनाव मे गुजरेगा परिश्रम अधिक होगा. करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे. आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी. कौवे को रोटी का तुकडा डालें , चीटियों को आटा डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज रुके हुए पूरे काम हो जाएंगे अधिक परिश्रम की आवश्यकता नहीं हैं शाम का वक्त फ्री होगा भविष्य की योजना बनाए फायदा हो सकता है. आज आप अच्छा महसूस करेंगे. सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है. परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ समय बिताएंगे. धन लाभ हो सकता है. उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता हैं भैरव मंदिर मे कालाउडद चढाए तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिवार की जरुरते पूरी करेंगे बच्चों के लिए भविष्य निधि सुरक्षित करें । अपने दफ्तर में बिल्कुल संतुलित व्यवहार करें. आपकी इनकम बढ़ने के भी चांस ज्यादा है. प्रेम में इमोशन प्रभावी रहेगा. मानसिकता को बदलने की बेहत जरूरत है. उन्नति में बाधा आएगी. आपका मन काम में लगेगा. ससुराल जाने का प्रोग्राम बनेगा आप को सम्मान और प्यार दोनो मिलेगा छात्रो को जरुर निराशा मिलेगी मन कुछ उदास रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज खर्चा अधिक होगा परन्तु कुछ आप को लिमिट तय करनी पडेगी क्योंकि आमदनी सीमित रहेगी. मानसिक तनावों को हावी ना होने दें. विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी क्षमता का प्रयोग करें. अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जल्दबाजी में कोई काम ना करें. नये लोगों के साथ अनजान जगह जाने से बचें घात सम्भव हैं अथवा अनावश्यक किसी परेशानी में पड़ जाएं. विरोधियों पर भरोसा नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन कमजोर ही रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा. बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कुछ कम रूचि ले सकते हैं. बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए. ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं. खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए.अपनी किमती वस्तु को बहुत सम्हाल कर रखें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को मजबूती से और धैर्य से काम लेंना होगा .पुश्तैनी जमीन प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं. कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं. रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे. थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्यरखें। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा. सेहत स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहेगा चिंता मुक्त रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बहुत इमोशनल होनी की जरुरत नही हैं दिमाग से सोच समझकर ही किसी भी निर्णय को अन्तिम रुप देना होगा करियर में आगे बढने के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे. शिक्षा, बिजनेस, नौकरी या महत्वपूर्ण कागजात को बडी ही सूझबूझ से इस्तेमाल मे लेना होगा यात्रा के योग भी बन रहे हैं आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा. आप अपने रोजमर्रा के काम में ही बिजी रहेंगे. कबूतर को दाना डालें और मंदिर मे श्री फल अर्पण करें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 मई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 02:06 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 11:25 तक
योग : शुक्ल रात्रि 02:34 तक
करण : बव दोपहर 02:06 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार नहीं, परिवारवाद का दफ्तर खोला गया : कांग्रेस

पटना, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार में हुए मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी एवं उसके सहयोगी दलों पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जो दल दिन-रात परिवारवाद का विरोध करते हैं, वही अब अपने परिवार के सदस्यों को सत्ता में स्थापित करने में जुटे हुए हैं।

इस संबंध में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी, सुभाष चंद्र सिंह, प्रद्युम्न दुबे एवं अशोक राम ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी सहित उसके गठबंधन में शामिल दलों में परिवारवाद का परचम लहराने की होड़ मची हुई है।नेताओं ने आरोप लगाया कि जदयू सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, रालोसपा सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा तथा हम सुप्रीमो जीतम राम मांझी अपने-अपने परिवार के सदस्यों को राजनीति एवं सत्ता में आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कोई अपने पुत्र को, तो कोई पत्नी, पुत्रवधू एवं समधीनी को मंत्री एवं विधायक बनाने की होड़ में शामिल है। उन्होंने

आरोप लगाया कि सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल में परिवारवाद की रेवड़ियां जमकर बांटी जा रही हैं।

नेताओं ने कहा कि बिहार की जागरूक जनता इन सब बातों को देख और समझ रही है तथा आने वाले समय में इसका करारा जवाब देगी।

जन सेवा संघ की संचालन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के केंद्रीय कार्यालय में संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। संघ के कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में विभिन्न समितियों की गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जन सेवा संघ द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए वरिष्ठ सदस्य नवल किशोर तिवारी को अधिकृत किया गया, जो केंद्रीय समिति के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन करेंगे। बैठक में बताया गया कि प्रेरणा स्रोत महोदय द्वारा आठ सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया है, जो केंद्रीय समिति सहित सभी समितियों के कार्यों का मूल्यांकन एवं पर्यवेक्षण करेगी। समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा ने बताया कि केंद्रीय, दक्षिण, उत्तर, पूर्वी, पश्चिमी एवं मेडचल संभागों में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है, जिनमें कुल 29 सदस्य शामिल हैं। अनुशासन समिति के सहसंयोजक गोविंद तिवारी ने बताया कि संघ की सभी गतिविधियां अनुशासित ढंग से संचालित हो रही हैं तथा कोई शिकायत लंबित नहीं है। सांस्कृतिक समिति के संयोजक सुनील श्रीवास्तव ने आजीवन सदस्यों के सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने की जानकारी दी। उत्सव एवं छठ पूजा समिति के संयोजक आर. पी. सिंह ने बताया कि संघ की पहल पर नेकलेस रोड स्थित झील किनारे छठ पूजा घाट निर्माण का कार्य सरकार द्वारा तेजी से कराया जा रहा है।

शिक्षा समिति के संयोजक डॉ. अमित ने कहा कि 15 जुलाई से पूर्व मेधावी छात्रों के सम्मान एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। खेलकूद समिति के संयोजक सुबोध सिंह ने जून माह में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करने की जानकारी दी।

वहीं आईटी सेल संयोजक आदर्श सिंह ने शीघ्र ही आईटी प्रोफेशनल्स की बैठक आयोजित करने की बात कही। बैठक में वार्षिक रिटर्न फाइल करने एवं 80(G) प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए बीनीत सिंह एवं राजीव चौबे को अधिकृत किया गया। बैठक में जन सेवा भवन हेतु भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में शीघ्र प्रयास शुरू करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए आर. पी. सिंह एवं परमानंद शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में डी. डी. तिवारी, बिश्वजीत सिंह, सुरेश पंडित, के. डी. चौबे, एल. एम. चौधरी, मदन लाल रावल, हरी सिंह, कपिराज सिंह एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नामपल्ली में राधे-राधे ग्रुप द्वारा सेवा और अन्नदान का आयोजन

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित जिला पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप लगातार समाज के हर वर्ग की सेवा के लिए कार्य कर रहा है। ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाकर समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, ई. जगन सहित राधे-राधे ग्रुप के अेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समर्पण का भाव देखने को मिला तथा उपस्थित लोगों ने राधे-राधे ग्रुप के कार्यों की सराहना की।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के 495वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार के अधीन संचालित केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा हिंदी सेवासदन के सहयोग से अनंतपुरम हिंदी सेवासदन भवन में 25 अप्रैल से 8 मई तक आयोजित 495वें नवीकरण पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हिंदी अध्यापकों एवं हिंदी प्रचारकों के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी मुख्य रूप से जुड़े।

मुख्य अतिथि के रूप में उप जिला शिक्षा अधिकारी श्रीनिवासराव उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में काशीबट्ला मुरली कृष्णा तथा आत्मीय अतिथि के रूप में हिंदी सेवासदन के संस्थापक प्रधान सचिव एवं केंद्र सरकार के सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार एस. गैबुवली उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डा. भास्कर कृष्णाजी दुबे ने किया। इस अवसर पर डा. रुपेश व्यास, डा. कामेश्वरी, एम.एम.डी. अजमतुल्ला एवं सुधाकर भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत से हुआ। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि अहिंदी भाषी प्रदेशों में इस प्रकार के नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने से हिंदी अध्यापकों एवं प्रचारकों को अत्यंत लाभ मिलता है। इससे शिक्षकों को हिंदी शिक्षण की नवीन पद्धतियों एवं आधुनिक विषयों की जानकारी प्राप्त होती है।

अतिथियों ने कहा कि नई शिक्षण तकनीकों एवं रचनात्मक पद्धतियों को अपनाने से विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि और सृजनात्मकता दोनों बढ़ेंगी। प्रशिक्षित अध्यापकों एवं प्रचारकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से उन्हें हिंदी व्याकरण एवं शिक्षण की विभिन्न नई पद्धतियों की उपयोगी जानकारी मिली। कार्यक्रम में चित्रचेडु जिला परिषद हाईस्कूल की हिंदी अध्यापिका एवं रचयिता गंगिरेड्डी विजयामेरी द्वारा लिखित पुस्तक विजया बाल पंचपदी लाहिरी का अतिथियों के करकमलों से लोकार्पण किया गया।

समापन अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा हिंदी सेवासदन की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय हिंदी संस्थान के प्राध्यापकगण, हिंदी सेवासदन के संयोजक इंतियाज, प्रशिक्षित हिंदी अध्यापक, हिंदी प्रचारक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुरोगामी पत्रकार संघ (भारत) के कामारेड्डी जिला पदाधिकारियों की नई नियुक्तियां

हैदराबाद / कामारेड्डी, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पत्रकारों के अधिकारों एवं समाजहित के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत पुरोगामी पत्रकार संघ (भारत) की तेलंगाना राज्य समिति के तत्वावधान में कामारेड्डी जिले के नए पदाधिकारियों की नियुक्तियों की घोषणा की गई है। इन नियुक्तियों से जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संघ के संस्थापक अध्यक्ष विजय सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में तथा तेलंगाना राज्य अध्यक्ष गजानन गंगाधरराव बिडकर, राज्य सचिव गौरव बिडकर एवं कामारेड्डी जिला अध्यक्ष विश्वंभर कुलकर्णी की सिफारिश पर नई नियुक्तियां की गईं।

इन नियुक्तियों के तहत श्री सोपान हुल्लाजी दंतुलवार को कामारेड्डी जिला उपाध्यक्ष तथा श्री सायलू को जिला सचिव नियुक्त किया गया है।

कामारेड्डी जिला अध्यक्ष विश्वंभर कुलकर्णी ने कहा कि जिले में पत्रकारों को एकजुट कर संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई नियुक्तियों से संगठन की गतिविधियों को नई गति एवं ऊर्जा प्राप्त होगी।

उन्होंने बताया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों को पत्रकारों की समस्याओं, अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्य करते हुए संगठन को सशक्त बनाने के निर्देश नियुक्ति पत्र में दिए गए हैं।

इस अवसर पर पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

अन्नदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं, राधे-राधे ग्रुप निरंतर कर रहा सेवा कार्य : महेश गोयल

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण कर मानव सेवा और सामाजिक समर्पण का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर महेश गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी सेवा मानी जाती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना से लगातार समाज सेवा के कार्य कर रहा है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना ही सच्ची मानवता है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में भाग लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को एकजुट होकर जरूरतमंद और गरीब लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप का यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा, सहयोग और संस्कारों की भावना को मजबूत कर रहा है।कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्य में उपस्थित सदस्यों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। पूरे आयोजन का वातावरण भक्तिमय और सामाजिक समर्पण से ओत-प्रोत रहा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, शिव भगवान, मोहित अग्रवाल एवं स्वास्ति अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शुभेंदु ...

इस दौरान उन्होंने बीजेपी विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा और आधिकारिक तौर पर नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। शुभेंदु अधिकारी शनिवार सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। 9 मई का दिन पश्चिम बंगाल के लिए बेहद खास है, क्योंकि इस दिन रवींद्र जयंती मनाई जाती है। इसी पावन अवसर को यादगार बनाने के लिए कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भव्य शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी की गई है। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा और बीजेपी शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है।

वहीं, विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने बंगाल के गौरवशाली इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि एक दौर था जब कहा जाता था कि बंगाल जो आज सोचता है, भारत वो कल सोचता है। पिछले कुछ दशकों में राज्य के उस गौरव को काफी ठेस पहुंची, लेकिन अब जनता ने फिर से विकास का रास्ता चुना है। अमित शाह के मुताबिक, इस चुनाव में बीजेपी विधायकों की जीत का औसत 28 हजार वोट रहा है, जो राज्य में पार्टी के प्रति अटूट जनसमर्थन का प्रमाण है।

राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा भी तेज है कि राज्य में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने के लिए दो उप मुख्यमंत्री भी बनाए जा सकते हैं। हालांकि, पार्टी ने फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

सरकार में लिए ...

पार्टी के भीतर के 'लोकतंत्र' को दर्शाता है, जिसके निर्वाचित प्रतिनिधियों ने नेता का चयन किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री शाह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि डबल इंजन सरकार महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में काम करेगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मैं नई सरकार नहीं चलाऊंगा। हम सब मिलकर नई सरकार चलाएंगे। अधिकारी ने कहा कि भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग में शामिल लोगों का पता लगाना और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना, पिछले 15 वर्षों में गंभीर अन्याय और अत्याचारों का शिकार हुए लोगों को न्याय दिलाना और बेहतर एवं भ्रष्टाचार मुक्त सार्वजनिक सेवा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होगी।

सियासी सफर...

बंगाल की राजनीति को करीब से समझने वाले जानकार मानते हैं कि ममता सरकार की कमजोरियों को पहचानने और जमीनी स्तर पर बीजेपी का नेटवर्क मजबूत करने में शुभेंदु की भूमिका निर्णायक रही।

नंदीग्राम आंदोलन- राजनीतिक जीवन का टर्निंग प्वाइंट

लेकिन उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ 2007 का नंदीग्राम आंदोलन बना। वाम मोर्चा सरकार द्वारा किसानों की जमीन अधिग्रहण के फैसले के खिलाफ जब नंदीग्राम में आंदोलन शुरू हुआ, तब शुभेंदु अधिकारी ने भूमि उच्छेद प्रतिरोध कमेटी का गठन किया। उस समय ममता बनर्जी कोलकाता और दिल्ली में आंदोलन की आवाज बुलंद कर रही थीं, लेकिन गांव-गांव जाकर लोगों को संगठित करने का काम शुभेंदु कर रहे थे। वे किसानों के बीच रहते, स्थानीय भाषा में संवाद करते और आंदोलन को जमीनी ताकत देते रहे।

2026 के चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने संदेशखाली, आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले और हावड़ा-उलबेरिया हिंसा जैसे मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाया। उन्होंने पूरे बंगाल में लगातार यात्राएं कीं और टीएमसी की चुनावी रणनीति को उसी की भाषा में जवाब दिया। बीजेपी को 3 सीटों से आगे बढ़ाकर दो-तिहाई बहुमत की स्थिति तक पहुंचाने में उनकी भूमिका को निर्णायक माना जा रहा है।

विजय...

लेकिन आईयूएमएल का साफ संदेश है कि वह कल भी डीएमके के साथ थी, आज भी डीएमके के साथ है और कल भी डीएमके के साथ रहेगी। यानी आईयूएमएल विजय को नहीं, बल्कि डीएमके को समर्थन देता है। सूचना मिली है कि वीसीके ने विजय को समर्थन देने के लिए एक शर्त रखी है। वीसीके ने कहा है कि वह समर्थन तब देगी जब विजय उन्हें उप मुख्यमंत्री का पद दें। यह एक बड़ी शर्त है। उप मुख्यमंत्री का पद सरकार का दूसरा सबसे बड़ा पद होता है। राज्यपाल को अभी वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन का इंतजार है। जब तक ये दोनों पार्टियां अपना फैसला नहीं बतातीं, तब तक राज्यपाल विजय को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने की तारीख की घोषणा नहीं कर सकते।

के.सी. वेणुगोपाल ...

यदि आवश्यकता हुई, तो पार्टी अन्य दो दावेदारों से बातचीत कर उन्हें संतुष्ट करने की कोशिश करेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, सूची में शामिल ज़्यादातर नामों के आगे केसी के इनिशियल्स लिखे थे, जिन्हें के.सी. वेणुगोपाल के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। आई.सी. बालकृष्णन के नाम के सामने केसी और आरसी दोनों इनिशियल्स लिखे होने की बात कही जा रही है, जिसका राजनीतिक तौर पर मतलब के.सी. वेणुगोपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला दोनों के समर्थन के रूप में निकाला जा रहा है। कांग्रेस सूत्रों का दावा है कि के.सी. वेणुगोपाल खेमे को 63 कांग्रेस विधायकों में से बहुमत का समर्थन मिला हुआ है। सामने आई यह सूची इस दावे को और मजबूत कर रही है। वेणुगोपाल समर्थकों का दावा है कि उन्हें 46 विधायकों का समर्थन हासिल है।

ईरान पर...

उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल रिजर्व 120 प्रतिशत पर है और देश अपनी जनता की रक्षा के लिए 1000 प्रतिशत तैयार है।अराघची ने एक्स पर लिखा, हर बार जब कूटनीतिक समाधान सामने आता है, अमेरिका सैन्य रास्ता चुनता है। ईरानी कभी दबाव में नहीं झुकेंगे। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच सोने की कीमतों में तेजी आई है।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर टाले अकाल मृत्यु और दिलाए मोक्ष

दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग– शंकर जी का यह अनोखा मंदिर अन्य प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंगों में एक मात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। शास्त्रों के अनुसार कहा गया है कि दक्षिण दिशा के स्वामी स्वयं भगवान यमराज हैं। तभी जो भी व्यक्ति इस मंदिर में आ कर भगवान शिव की सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसे मृत्यु उपरांत यमराज द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

अकाल मृत्यु टालते हैं शिव जी–देश–दुनिया से काफी लोग यहां पर इसलिये भी दर्शन करने आते हैं कि जिससे वे अपनी अकाल मृत्यु को टाल सकें और सीधे मोक्ष को प्राप्त कर सकें।

सारी इच्छा करते हैं पूरी–भगवान शिव अपने भक्त की सारी इच्छाएं पूरी करते हैं। अगर आपको अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो यहां आ कर एक बार दर्शन जरुर करें, जिससे आपको धन, धान्य, निरोगी शरीर, लंबी आयु, संतान आदि सब कुछ प्राप्त हो।

पृथ्वी का केंद्र हैं महाकाल–कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही संपूर्ण पृथ्वी का केंद्र बिंदु है और संपूर्ण पृथ्वी के राजा भगवान महाकाल यहीं से पृथ्वी का भरण–पोषण करते हैं।

गाय के कंडे से होती है भस्मार्ती–यहाँ पहले महाकाल की भस्म आरती में ताजा मुर्दे की भस्म का ही प्रयोग होता था, किन्तु महात्मा गांधी के आग्रह के पश्चात शास्त्रीय विधि से निर्मित उपल–भस्म से भस्मार्ती होने लगी।

हनुमान जी के गुणों से आलोकित करें जीवन

मनोजवं मारुत तुल्यवेगंए जितेन्द्रियं बुद्धिमना वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथ मुयंएश्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये ॥

यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए।

उक्त श्लोक द्वारा हमें सर्वतोमुखी शक्ति के प्रतीक हनुमान जी का यथार्थ चित्रण मिलता है की कैसे वे शरीर के साथ–साथ मन से भी अपार बलशाली थे एवं उन्होंने वासना को जीत लिया था। वे जितेन्द्रिय थे और बुद्धिमानों में भी श्रेष्ठतम थे। यह एक निर्विवाद तथ्य है कि भारत के लोगों के मन में हनुमान जी का चरित्र उनकी ईश्वर भक्ति, ईश्वर सेवा और ईश्वर के प्रति वफादारी के कारण बहुत ही प्रसिद्ध है। और इसलिए ही यहां के अधिकतर घरों में उनकी मूर्ति प्रतिदिन पूजी जाती है और देश के कोन–कोने में भी उनके अनगिनत मंदिर बने हुए हैं। जन के दिलों में स्थान पाने वाले हनुमान जी की पूजा–अर्चना करना उनके प्रति हमारी श्रद्धा का एक पहलू है, लेकिन उनके चारित्रिक गुणों से प्रेरणा लेना व उनके गुणों को जीवन में आत्मसात करना सर्वथा दूसरा पहलू है। अत: यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए। चैत्र पूर्णिमा के दिन जन्मे हनुमान जी के यूं तो अनेक नाम हैं, परन्तु सर्वाधिक प्रचलित हनुमान शद का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जो मान का हनन करने वाला हो। पौराणिक कथाकारों के अनुसार ज्ञानसूर्य परमात्मा के ज्ञान गुण शक्तियों को अपनी बुद्धि में समाहित करने वाले हनुमान जी अनेक आध्यात्मिक शक्तियों से सुसंपन्न रहे, लेकिन अपनी किसी भूल के कारण उन्हें यह शाप मिला कि समय आने पर वे अपनी शक्तियों को भूल जायेंगे और किसी के द्वारा याद दिलाये जाने पर वे शक्तियां जाग्रत हो उठेंगी। अब यह तो हम सब भलीभांति जानते ही हैं कि शाप देने का कार्य कोई श्रेष्ठ व्यक्ति तो कर नहीं सकता, क्योंकि क्योंकि शाप या बददुआ देने वाली तो माया है, अर्थात पांच विकार, तो इसका अर्थ यह हुआ की कलियुग के अंत में जब हम सभी आत्माएं माया द्वारा शापित होकर मूर्च्छित हो जाती हैं और अपनी समस्त शक्तियां खो देती हैं, तब सर्वशक्तिमान परमात्मा हमें ज्ञान संजीवनी द्वारा फिर से सुरजीत करते हैं और माया के शाप से हमें सदा के लिए मुक्त कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप हम अपनी सर्व आध्यात्मिक शक्तियों को पुन: प्राप्त कर लेते हैं। कहते हैं कि इष्ट का उज्जवल चरित्र ह ी साधकों के जीवन को इत्र समान खुशबूदार और गुणवान बनाता है। आत्मा अमर है और उसके द्वारा किए जाने वाले महान चरित्र भी चिरंजीव ही रहते हैं। अत: हमें यह महसूस करना चाहिए कि वर्तमान समय वही युग परिवर्तन की वेला है, जब सर्व शक्तिमान परमात्मा माया रावण के – चंगुल में फंसी आत्मा रूपी सीताओं की खोज मे धरती पर अवतरित हो चुके हैं। ऐसे समय में भगवान श्री हनुमान जी की तरह त्याग, तपस्या और सेवा को जीवन में धारण करके ईश्वरीय सेवा में मददगार बनने वाली आत्माओं का भगवान आहान कर रहे हैं।

याचना की बजाय गुणों को धारण करें :

संसार की आत्माएं तो हुनमान जी को अष्ट सिद्धि और नवनिधि की पूर्ति की कामना हेतु स्वार्थवश याद करती हैं, परन्तु वर्तमान समय की मांग यह है कि हम समय की नाजुकता को पहचान कर हनुमान जी से याचना करने की बजाय उन जैसे गुणों को धारण करके अनेक याचक आत्माओं की कामना पूर्ति करें और श्री हनुमान जी के गुणों की रोशनी से अपने जीवन–पथ को आलोकित करें। उनके समान ईश्वर प्रेम में रम जाएं और उनके समान ईश्वर समर्पित होकर ईश्वर समान बन जाएं।

दुर्योधन को भी दिए थे श्रीहरि ने विराट रूप में दर्शन

विश्वरूप या कहें भगवान विष्णु का विराट स्वरूप का उल्लेख भगवद्गीता के अध्याय 11 में है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध में विश्वरूप दर्शन कराते हैं। लेकिन उन्होंने इस रूप में पहले भी अपने भक्तों को दर्शन दिए है।

पुराणों में उल्लेख मिलता है। भगवान विष्णु ने अपने इस रूप के दर्शन लक्ष्मी जी को करवाए थे। हालांकि कि इस बारे में अलग–अलग पुराणों में अलग–अलग जानकारी मिलती है। भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी को भी उन्होंने अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए हैं। भगवान विष्णु के भक्त प्रहाद के वंशज थे राजा बलि। जिनको भगवान विष्णु ने वामन अवतार में विराट स्वरूप के दर्शन दिए थे। द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया तब उन्होंने अपनी मां यशोदा को भी इसी विराट स्वरूप में दर्शन दिए थे। महाभारत में दुर्योधन और विश्वरूप दर्शन वर्णित है। कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान अर्जुन को विराट रूप के दर्शन दिए।

भगवान विष्णु के अन्य नाम :

उग्र, शर्व, भगवत, नारायण, कृष्ण, वैकुण्ठ, विष्टरश्रवस्, जिन, हषिकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुडध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शार्गिं, विष्वक्सेन, जनार्दन, दामोदर, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पझानाभ, मधुरिपु, भीम, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमालिन्, बलिध्वंसिन, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु, श्रीवत्सलाञ्छन, पुराणपुरुष, यज्ञपुरुष,नरकान्तक, जलशायिन्, मुकुन्द, उपेन्द्र, मुरमर्दन, राम, वामन, नरसिंह, वराह और भविष्य में होने वाला अवतार कल्कि यह अवतार भगवान विष्णु का ही अवतार है।

गजानन की जिहा देती है यह सीख

गजानन रूप में भी हम भगवान गणेश की वंदना करते हैं। गजानन अर्थात हाथी के मुख वाला। हाथी की जीभ अन्य प्राणियों से अनोखी होती है। गणेशजी के इस रूप में वाणी का महत्व प्रतिपादित होता है। मनुष्य की उत्तम वाणी महत्व को बढाती है और दोषपूर्ण वाणी सम्मान कम करती है। हाथी की जीभ तो बाहर निकलती ही नहीं। यह तो मुख के भीतरी भाग में है। अर्थात इससे वाणी के अनर्थ

का भय नहीं है और संयम की सीख है। गजा का अर्थ उन ऋषियों और योगियों से भी जुडता है जो समाधि में बैठे रहते हैं और जन्म–मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करते हैं। गणेश अपने इस रूप में हमें पदार्थगत वासना से उबरकर मोक्ष की राह तलाशने की सीख देते हैं। भगवान गणेश का यह रूप यह भी सीख देता है कि जिस तरह हाथी संयमित जीवन से 120 वर्ष जी सकता है मनुष्य भी नियंत्रण से लंबा और सुखी जीवन बिता सकता है।

धन व संतान की दीर्घायु के लिए कीजिएयह व्रत

शुक्रवार का व्रत विशेष रूप से धन व संतान की दीर्घायु के लिए किया जाता है। इस दिन लक्ष्मी जी का व्रत करने का विधान है। इस व्रत में श्वेत फूल, सफेद वस्त्र, घी-शक्कर का नैवेद्य होम के रूप में लक्ष्मीजी को अर्पित किया जाता है

व्रत की कथा

एक वृद्ध महिला थी। उसका एक ही पुत्र था। विवाह के बाद सास, बहू से घर का सारा काम करवाती थी और खाना भी ठीक से नहीं देती थी। लडका ये सब कुछ देखता लेकिन अपनी मां से कुछ भी नहीं कहता था। हर दिन ऐसा ही चलता रहा। एक दिन बेटा अपनी मां से बोला, मां मैं धन अर्जित करने के लिए विदेश जा रहा हूं। मां को बेटे की यह बात बहुत पसंद आई। बेटा अपनी पत्नी के पास गया और यही बोला कि वो धन कमाने के लिए परदेश जा रहा है। उसे कोई निशानी चाहिए। तब बहू बोली मेरे पास तो निशानी देने के लिए कुछ भी नहीं है। यह कहकर पत्नी ने पति के पैर पकड लिए। तब उसके हाथों में लगे गोबर से पति के जूतों पर हाथों के निशान बन गए। पुत्र के जाने के बाद सास ने बहू पर अत्याचार करने शुरू कर दिए।

एक दिन बहू दु:खी होकर मंदिर गई।देखा, बहुत सी स्त्रियां पूजा कर रही हैं। पूछने पर पता चला कि यह व्रत संतोषी माता का है। इससे सभी प्रकार के कष्टों का निवारण हो जाता है। स्त्रियों ने बहू को बताया कि शुक्रवार के दिन स्नान कर, शुद्ध जल से गुड, चना का प्रसाद लेना तथा सच्चे मन से मां का पूजन करो। लेकिन खटाई भूलकर भी मत खाना न ही किसी को देना। एक वक्त भोजन करना। इस तरह बहू प्रत्येकशुक्रवार को मां संतोषी का यह व्रत करने लगी। माता की कृपा से कुछ दिनों बाद पति का पत्र आया। कुछ दिनों बाद पैसा भी आ गया। एक रात मां संतोषी ने बहू के पति को स्वप्न दिया और कहा कि अपने घर क्यों नहीं जाते तब उसने कहा कि सेठ का सारा सामान अभी बिका नहीं, रूपया भी अभी नहीं आया।

सुबह होते ही सेठ का सारा सामान बिक गया और सेठ ने बहू के पति को घर जाने की इजाजत दे दी। घर पहुंचकर पति अपनी पत्नी से प्रेमपूर्वक मिला। पत्नी ने कहा मुझे संतोषी माता के व्रत का उद्यापन करना है। उसने सभी को इस कथा में आमंत्रित किया। लेकिन पडोस की एक महिला उससे जलती थी।

उसने अपने बच्चों को कहा कि तुम खाना–खाते समय खटाई के लिए मचल पडना। खाना खाते समय ऐसा ही हुआ। तो बहू ने बच्चों को पैसे दे दिए। बच्चों ने खटाई खा ली। संतोषी माता का कोप बहू पर बरस गया। इसके बाद सूचना मिली कि जितना धन बहू के पति ने कमाया है उसका टैक्स राजा को देना होगा। इन सभी परेशानियों से निजात पाने के लिए बहू ने फिर से संतोषी माता का व्रत किया। स्थितियां सामान्य हुई और फिर से सुखद हो गई।

घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

घर में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है। प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं–कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे हदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है।

हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

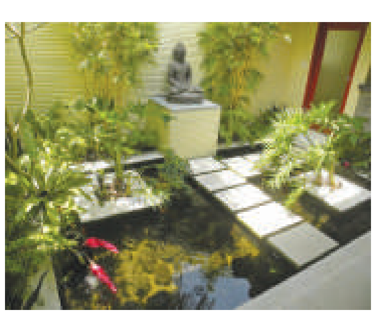

इन उपायों से होगी आपकी कई मनोकामनाएं पूरी

हमारे जीवन में सुख दुख तो लगा रहता है जिस कारण हम परेशान भी होते है । सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख–शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं। रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नम: शब्द जोडकर 108 बार जप करें। सुबह गौरी–शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्व) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें। बड के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं। नए सूती लाल कपडे में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें। एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढाएं। सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं। मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं। चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं। शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

अपनी खूबसूरती में इजाफा करना है तो मेकअप का सहारा तो लेना ही पडेगा। पर जितना जरूरी है मेकअप के लिए अच्छे प्रोडक्ट का चुनाव और अच्छी तरह से मेकअप करना, उतना ही जरूरी है मेकअप को सही तरीके से उतारना। रात में मेकअप के साथ सोना नुकसानदेह साबित हो सकता है। कैसे उतारें आंखों का मेकअप, बता रही हैं शमीम खान

मेकअप

बिगाड़ न दे आंखों की खूबसूरती

मेकअप के बढ़ते चलन ने महिलाओं के आकर्षण को बढ़ाने में अहम भूमिका निभायी है। लेकिन इस बात को याद रखना जरूरी है कि मेकअप रसायनों से बना होता है। और जब बात आंख के मेकअप की हो, तो मेकअप करने में ही नहीं, उसे निकालने में भी विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। आई मेकअप को रात को सोने से पहले जरूर निकाल लें। अगर आप आई मेकअप के साथ सो जाएंगी तो पलकों पर फुंसी, दर्द या संक्रमण हो सकता है।

शरीर के बाकी भाग की त्वचा की तरह ही आंखों के आसपास की त्वचा में भी छिद्र होते हैं, यहां की त्वचा को भी सांस लेने की आवश्यकता होती है। अगर आप बिना मेकअप निकाले ही सो जाएंगी तो ये रोमछिद्र बंद हो जाएंगे। इससे पलकों के किनारों पर मौजूद मेबोमियन ग्रंथि (ऊपरी पलकों के आसपास करीब 50 ग्रंथियां होती हैं और निचली पलकों के आसपास करीब 25) में शुष्कता आ जाएगी। मेबोमियन ग्लैंड सबेशियस ग्लैंड होती हैं, जो आंख में बनने वाले आंसुओं का प्रवाह ठीक करती है।

नजरअंदाज न करें इन लक्षणों को

- आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना।
- आंखें लाल होना और उनसे पानी आना।
- आंखों में खुजली होना
- रंगों का साफ दिखाई न देना।
- लगातार सिरदर्द की शिकायत रहना और आंखों में थकावट होना।

ऐसे निकालें आंखों का मेकअप

- मस्कारा, आई लाइनर, आई शैडो और आंखों के दूसरे मेकअप की चीजों में मोम होता है। इसलिए इन्हें निकालना बहुत जरूरी है। अगर आंखों के मेकअप को ठीक तरह से न निकाला जाए, तो आंखों के आसपास की त्वचा काली पड़ जाएगी और झुर्रियां भी आ जाएंगी।
- सबसे जरूरी है कि मेकअप को धीरे-धीरे निकाला जाए क्योंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक और पतली होती है।
- रुई को गुलाब जल या मेकअप रिमूवर में डुबोएं और उसे आंखों पर रखें। इससे मसकारा गल जाएगा और उसे निकालना आसान होगा। तुरंत ही अपनी पलकों को रुई से न रगड़ें। 2-5 मिनट के बाद पलकों और पलकों के बालों पर रुई को धीमी गति से गोलाई से घुमाएं, आंखों पर दबाव न डालें।
- अगर आपने वाटर प्रूफ मेकअप लगा रखा है, तो जैतून के तेल का उपयोग करें। यह इस मेकअप को निकालने के लिए सबसे बेहतर है।
- आंखों का मेकअप एक-एक करके निकालें। दोनों आंखों के लिए एक ही रुई के फाहे का उपयोग न करें।

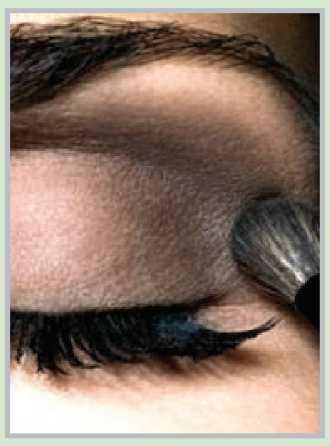

- आंखों के बाद बाकी चेहरे का मेकअप साफ करें। इसके बाद पहले चेहरे को सादे पानी से धोएं, फिर टियर फ्री बैबी शैंपू से। आंखों को जोर-जोर से न रगड़ें।
- विटामिन के और ई युक्त मॉइस्चराइजर से आंखों के आसपास हल्के हाथों से मसाज करें। आंखों की थकान दूर हो जाएगी।
- आंखों के मेकअप को एक साल से ज्यादा इस्तेमाल न करें।
- हमेशा अच्छे ब्रांड के आई मेकअप और रिमूवर का उपयोग करें।
- अपना मेकअप किट कभी भी किसी के साथ शेयर न करें।

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? इसे हल्के में न लें। मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे एक आम परेशानी न समझें। गले की खराश टॉन्सिल या गले का गंभीर संक्रमण भी हो सकता है। कैसे निबटें इस परेशानी से, बता रही हैं मृदुला भारद्वाज

गले की खराश

बन न जाए परेशानी

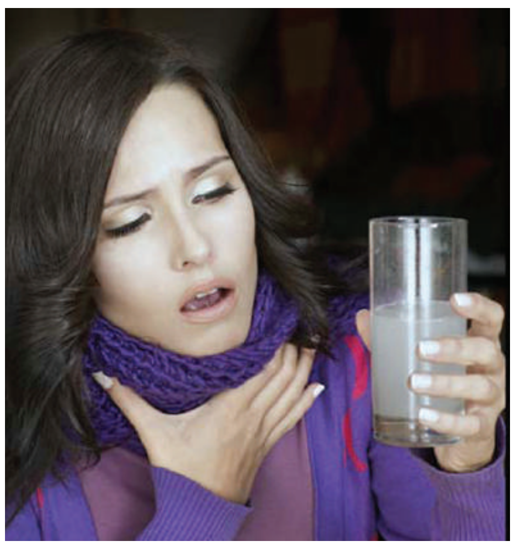

मौसम बदलते ही गले में खराश होना आम बात है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार गले में खराश की समस्या एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की ही जरूरत पड़ती है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर इस समस्या को अनदेखा कर देते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को यूं ही नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है।

टॉन्सिल्स

गले में खराश गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और गले में दर्द खासकर निगलने में परेशानी होती है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर के दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पडम्ते हैं। ये थोड़े बड़े और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकत्ते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है, लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब यह संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉक्कस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब यह संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाले टॉन्सिल्स। एडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना या खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं क्योंकि नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाती है और कान के परदे के पीछे पानी इकट्ठा होने लगता है। कभी-कभी परदे में छेद होकर मवाद बाहर बहने लगती है। इससे सुनने की क्षमता कम हो जाती है।

कारण

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ रमेश ठाकुर के अनुसार गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खानपान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थों को खाने और मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी गले में सक्रमण की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

उपचार

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ रमेश गले की खराश के बारे में कहते हैं कि आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं। लेकिन स्ट्रेन्टोकॉक्स जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं-

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थ को खूब पिएं।
- हलवा, जई (ओट्स) और सूप जैसी नर्म चीजें खाएं-पिएं।
- पेरासिटामोल या आई ब्रूफिन को आराम आने तक डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर लेते रहें।
- नमक के गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे गले में आराम मिलेगा।
- गंभीर संक्रमण की स्थिति में जब कुछ दिनों में आराम न हो, तब ही एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो, तभी एंटी-फंगल दवाएं दी जाती हैं।
- अदरक, इलायची और काली मिर्च वाली चाय गले की खराश में बेहद आराम पहुंचाती है। साथ ही इस चाय में जीवाणुरोधक गुण भी हैं। इस चाय को नियमित रूप से पीने से गले को आराम मिलता है और खराश दूर होती है।
- धूम्रपान न करें और ज्यादा मिर्च-मसाले वाला भोजन न लें।
- सेलाइन नेसल स्प्रे और ह्यूमिडिफर नाक में नमी बनाए रखने हैं और रुके हुए कफ को हटाने में भी मदद करते हैं।
- खान-पान में विशेष तौर पर परहेज बरतें। फ्रिज का ठंडा पानी न पिएं, न ही अन्य ठंडी चीजें खाएं। एहतियात ही इस परेशानी का हल है।

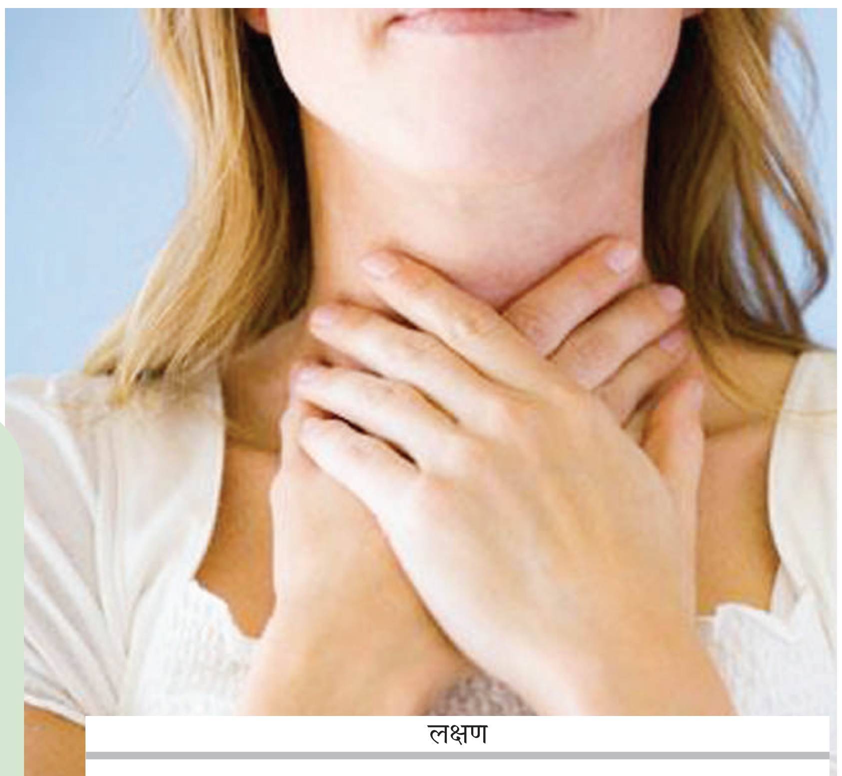

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना
- बुखार
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

संपादकीय

क्रिकेट का जलवा

क्रिकेट का यह सीजन हिमाचल को नया नाम और शोहरत का पैगाम दे रहा है, तो इससे संपूर्ण खेलों का माहौल और खेल पर्यटन का अंदाज बदलना चाहिए। आईपीएल की श्रृंखला में पहले ही तीन मैच यहां होने तय हैं, तो अब एक क्वालिफायर जुड़ने से धर्मशाला में क्रिकेट स्टेडियम की चर्चा पूरे सीजन की करामात में दर्ज होगी। इसके बाद जून में अफगानिस्तान टीम का एक मैच भी यहां के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व को दर्शकों की पलकों पर बैठाएगा। हैरानी यह कि क्रिकेट से काफी पहले धर्मशाला में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं खास तौर दुर्गामल-दलबहादुर फुटबाल ट्रॉफी होती आई है, लेकिन खेल अधोसंरचना मुकम्मल नहीं हुई। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बन रहे फुटबाल स्टेडियम भी अगर क्रिकेट अधोसंरचना का अनुसरण करता तो अब तक फुटबाल के कई महाकुंभ लग चुके होते। प्रदेश की कृत्रिम झीलों में साहसिक व जल क्रीड़ाओं के लिए आवश्यक ढांचा बने, तो राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय तालिकाओं के दावे हिमाचल से बढ़ सकते हैं। काफी वर्षों से भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में धर्मशाला की पहाड़ियों पर हाई अल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र की रूपरेखा बनाई और मिटाई जा रही है, तो हम मान सकते हैं कि राजनीति का खेल हर संभावना पर भारी है। दूसरी ओर क्रिकेट की नब्ज पर हाथ रखते हुए सांसद अनुराग ठाकुर ने अगर एक स्टेडियम का संकल्प लिया, तो नतीजे सामने हैं। यह सिर्फ आईपीएल या दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैच ही नहीं, बल्कि आम दिनों में भी क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों के मेले लगते हैं। हिमाचल में ऐसे कई दर्शनीय मैदान हैं और अगर यहां विभिन्न खेलों की अधोसंरचना विकसित करने के अलावा अकादमियां विकसित की जाएं, तो सारे राष्ट्र के तमगे यहां तैयार होंगे। विडंबना यह है कि विकास के नाम पर ऐतिहासिक मैदानों पर कंक्रीट उगाया जाने लगा है। सुजानपुर मैदान की आधी विरासत कई विभागों के नाम हो गई है, तो धर्मशाला के मैदान के एक बड़े भाग पर पुलिस ने इमारतों की जुंबिश लगा दी है। कुल्लू, चंबा, मंडी, नाहन, धर्मशाला और सोलन के प्रमुख मैदान खेल विभाग के नाम होने चाहिएं। इसी तर्ज पर हर शहर में कम से कम चार और हर गांव में अनिवार्य रूप से एक मैदान विकसित करना होगा। धर्मशाला में आईपीएल के चार मैचों का नूर पर्यटन व होटल इंडस्ट्री पर चढ़ेगा। हिमाचल के प्रवेश द्वारों से धर्मशाला तक का खेल सफर निपुण होकर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है। होना तो यह चाहिए कि हम क्रिकेट प्रेमियों की तरह फुटबाल, वालीबाल, एथलेटिक्स, पैराग्लाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स, हॉकी व अन्य खेलों के प्रेमियों को अलग-अलग स्थानों पर आकर्षित करें। क्रिकेट एसोसिएशन ने अल्पकाल में अपने कार्य के दायित्व में दक्षता, गुणवत्ता, संभावना तथा क्षमता को निरंतर सशक्त किया है, तो इसी तराजू में बाकी खेल भी अपना वजन बढ़ा सकते हैं। हिमाचल एक बार राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मंजूर करके, पूरे राज्य के खेल ढांचे को मजबूत कर सकता है। राष्ट्रीय खेल आयोजन का मुख्य केंद्र धर्मशाला को बनाते हुए ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, पालमपुर, मंडी, चंबा, सोलन व शिमला जैसे स्थलों पर अलग-अलग खेलों के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विभिन्न इनडोर व आउटडोर स्टेडियम निर्मित किए जा सकते हैं। बहरहाल क्रिकेट के मजबूत आधार पर एक बार फिर अरुण धूमल ने अपना करिश्मा दिखाते हुए आईपीएल के चार मैचों का आयोजन अगर सुनिश्चित किया है, तो पूरी होटल इंडस्ट्री को भी सहयोग करते हुए खेल प्रेमियों को तरह-तरह के ऑफर तथा मनोरंजन के अवसर प्रदान करने होंगे। भले ही मैचों के बीच धर्मशाला नगर निगम चुनाव शिरकत कर रहा होगा, लेकिन मुद्दों की बिसात में यह समझना होगा कि इस अवसर के माध्यम से शहर को किस तरह सशक्त करने की जरूरत है।

आईपीएल की श्रृंखला में पहले ही तीन मैच यहां होने तय हैं, तो अब क्वालिफायर जुड़ने से धर्मशाला में क्रिकेट स्टेडियम की चर्चा पूरे सीजन की करामात में दर्ज होगी। इसके बाद जून में अफगानिस्तान टीम का एक मैच भी यहां के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व को दर्शकों की पलकों पर बैठाएगा। हैरानी यह कि क्रिकेट से काफी पहले धर्मशाला में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं खास तौर दुर्गामल-दलबहादुर फुटबाल ट्रॉफी होती आई है, लेकिन खेल अधोसंरचना मुकम्मल नहीं हुई। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बन रहे फुटबाल स्टेडियम भी अगर क्रिकेट अधोसंरचना का अनुसरण करता तो अब तक फुटबाल के कई महाकुंभ लग चुके होते। प्रदेश की कृत्रिम झीलों में साहसिक व जल क्रीड़ाओं के लिए आवश्यक ढांचा बने, तो राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय तालिकाओं के दावे हिमाचल से बढ़ सकते हैं। काफी वर्षों से भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में धर्मशाला की पहाड़ियों पर हाई अल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र की रूपरेखा बनाई और मिटाई जा रही है, तो हम मान सकते हैं कि राजनीति का खेल हर संभावना पर भारी है। दूसरी ओर क्रिकेट की नब्ज पर हाथ रखते हुए सांसद अनुराग ठाकुर ने अगर एक स्टेडियम का संकल्प लिया, तो नतीजे सामने हैं। यह सिर्फ आईपीएल या दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैच ही नहीं, बल्कि आम दिनों में भी क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों के मेले लगते हैं।

लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है

इंडी में बिखराव का खतराः विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी अनिवार्य भूमिकाएं हैं। जहां सत्ता नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा, संतुलन और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष स्वयं ही असंगठित, दिशाहीन और अंतर्विरोधों से ग्रस्त हो जाए, तब लोकतांत्रिक संतुलन भी प्रभावित होता है। हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है। उसे विकास कार्यों में सहयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बना रहे। दुर्भाग्यवश, पिछले दो दशकों में विपक्ष का एक बड़ा वर्ग इस रचनात्मक भूमिका से भटकता दिखाई दिया है, जहां नीतिगत बहसों की जगह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक शोर-शराबा अधिक प्रमुख हो गया है।इंडिया गठबंधन का गठन एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ हुआ था-भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना। प्रारंभिक स्तर पर यह प्रयास कुछ हद तक सफल भी दिखाई दिया, जब इस गठबंधन ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से दूर रखने में भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट होता गया कि यह गठबंधन वैचारिक एकता से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका आंतरिक समन्वय है, जहां विभिन्न दलों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं और अलग-अलग राजनीतिक एजेंडे अक्सर एक-दूसरे से टकराते हैं। सीट बंटवारे से लेकर नेतृत्व के प्रश्न तक, हर स्तर पर मतभेद सामने आते रहे हैं, जिससे यह स्थिति बनती है कि केवल एक साझा विरोध के आधार पर गठबंधन को स्थायी नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) की

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है।

नेता प्रियंका चतुर्वेदी जैसे प्रमुख चेहरों के बीच जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, वह गठबंधन की आंतरिक स्थिति को और अधिक उजागर करती है। सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे की आलोचना करना न केवल राजनीतिक परिपक्वता की कमी को दर्शाता है, बल्कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा करता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने का तरीका और मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जब गठबंधन के नेता ही एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने लगें, तो यह संदेश जाता है कि गठबंधन केवल नाम का है और वास्तविकता में वह बिखराव की ओर बढ़ रहा है। महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष का रुख भी उसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है। यह विधेयक भारतीय समाज की आधी आबादी से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय था, लेकिन इसका विरोध जिस रूप में सामने आया, उसने विपक्ष की स्थिति को कमजोर किया। विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसका स्वरूप रचनात्मक होना चाहिए था। यदि विपक्ष इस विधेयक में सुधार के सुझाव देता, उसके क्रियान्वयन की समय-सीमा और प्रक्रिया पर सवाल उठाता, तो वह अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता था, लेकिन सीधे विरोध में खड़ा होना, वह भी बिना स्पष्ट जनसंदेश के यह दर्शाता है कि विपक्ष मुद्दों को समझने और उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत करने में चूक कर रहा है। इसका प्रभाव विशेष रूप से महिला मतदाताओं पर पड़ा, जिन्होंने इसे अपने अधिकारों के विस्तार के रूप में देखा और इसी का राजनीतिक लाभ भाजपा ने अपनी रणनीति के माध्यम से उठाया। भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आत्मसमीक्षा और सुधार की क्षमता रही है। हार के बाद भी वह अपने संगठन, नेतृत्व और रणनीति में बदलाव करती है, जिससे वह और अधिक मजबूत होकर सामने आती है। इसके विपरीत, विपक्ष अक्सर अपनी हार के कारणों को बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जिससे वह अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में असफल रहता है। राजनीति में परिपक्वता का अर्थ है हार को स्वीकार करना, उससे सीखना और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाना, लेकिन इस दिशा में विपक्ष को अभी लंबा रास्ता तय करना है। विपक्षी गठबंधन के भीतर सबसे बड़ा संकट हितों का टकराव है, जहां हर दल अपने क्षेत्रीय आधार को मजबूत करने की कोशिश करता है और इसी प्रक्रिया में वह अपने सहयोगी दलों से भी प्रतिस्पर्धा करने लगता है। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां सहयोग और प्रतिस्पर्धा एक साथ चलते हैं और अंततः यही स्थिति बिखराव को जन्म देती है। जब तक गठबंधन के भीतर स्पष्ट भूमिका निर्धारण, न्यूनतम साझा कार्यक्रम और नेतृत्व की स्वीकृति नहीं होगी, तब तक यह टकराव समाप्त नहीं होगा। विपक्षी दलों की यह नाकामी केवल रणनीतिक कमजोरी नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व की मंशा और प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। जब विपक्ष जनहित के मुद्दों को छोड़कर सत्ता प्राप्ति के लिए अवसरवादी गठजोड़, भ्रामक प्रचार और व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है, तब वह अपनी नैतिक विश्वसनीयता खो देता है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व जनभावनाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व करना और सरकार को सही दिशा में प्रेरित करना है, न कि केवल विरोध के लिए विरोध करना। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपने आचरण और दृष्टिकोण में सुधार लाए, सिद्धांतों और मूल्यों पर आधारित राजनीति को पुनर्जीवित करे तथा जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करे। तभी भारतीय लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में मजबूत और संतुलित बन सकेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष स्वयं को पुनर्गठित करे, अपनी वैचारिक स्पष्टता स्थापित करे और जनता के सामने एक सकारात्मक एवं ठोस विकल्प प्रस्तुत करे। केवल विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनहित के मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण और व्यवहारिक समाधान भी आवश्यक हैं। आंतरिक मतभेदों को सार्वजनिक करने के बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाना होगा और जनता के बदलते मिजाज को समझते हुए अपनी रणनीति को नया स्वरूप देना होगा। भारतीय राजनीति एक ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां मतदाता अधिक सजग और निर्णायक हो चुका है। ऐसे में गठबंधन की राजनीति को केवल संख्या के खेल से आगे बढ़कर विश्वास, समन्वय और स्पष्टता की नींव पर खड़ा होना होगा। बिखराव केवल राजनीतिक शक्ति को ही कमजोर नहीं करता, बल्कि लोकतंत्र के संतुलन को भी प्रभावित करता है। अंततः राजनीति में वही सफल होता है जो समय के साथ सीखता है, बदलता है और स्वयं को बेहतर बनाता है। "हार को पचाना और उससे सीख लेना" केवल एक कहावत नहीं, बल्कि सफल राजनीति का मूलमंत्र है, जिसे भाजपा ने बार-बार सिद्ध किया है और अब विपक्ष के सामने भी यही चुनौती है कि वह इस मूलमंत्र को अपनाकर अपने बिखराव को शक्ति में बदल पाए या फिर आंतरिक संघर्षों में उलझकर अपनी प्रासंगिकता खोता जाए।

देश दुनिया से

तेजाब और पितृसत्ता के बीच संघर्ष करती स्त्री

हाल ही में देश के शीर्ष न्यायालय ने 'शाहीन मलिक बनाम भारत संघ' मामले में एसिड अटैक के संबंध में मौजूदा कानूनों के तहत तेजाब हमलों से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने माना कि ऐसे अपराधों के लिए निर्धारित दंड पर्याप्त नहीं हैं तथा कई पीड़ित अब भी उचित कानूनी पहचान और सहायता से वंचित हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों की भी समीक्षा की। अदालत ने पाया कि अधिनियम की वर्तमान अनुसूची में तेजाब हमले के पीड़ितों को केवल उन व्यक्तियों तक सीमित रखा गया है जो 'एसिड या इसी तरह के संहारक पदार्थ फेंकने से हुए हिंसक हमलों के कारण विकृत हो गए हैं।' न्यायालय ने केंद्र सरकार से अनुसूची में संशोधन कर ऐसे मामलों को शामिल करने पर विचार करने को कहा। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, 'यदि इस संशोधन को अधिसूचित किया जाता है तो हम इसकी सराहना करेंगे।' यही नहीं पीठ ने तेजाब की सहज उपलब्धता और उसकी अवैध बिक्री पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि अवैध रूप से तेजाब बेचने वाले विक्रेताओं को जिम्मेदारी से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए तथा ऐसे मामलों में उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि दायित्व केवल हमलावर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुनवाई के दौरान अपराधियों पर कठोर आर्थिक दंड लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने जैसे उपायों पर भी चर्चा हुई। अदालत ने टिप्पणी की, 'हमलावर की संपत्ति, जिसमें संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति में उसका हिस्सा भी शामिल है, क्यों न जब्त की जाए? हम आत्मसम्मान आदि की बात करते हैं... तो आरोपी को क्यों नहीं भुगतना चाहिए?' एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं। विशेष रूप से वे लोग भी प्रश्नों के घेरे में आ जाते हैं, जो इस हिंसा के विरुद्ध

बोलने का साहस नहीं जुटा पाते। बिना किसी अपराध के जीवनभर असहनीय पीड़ा सहना केवल शारीरिक या मानसिक यातना भर नहीं है। यह उस धीमे ज़हर की तरह है, जिसमें पीड़िता हर दिन जीते हुए स्वयं को अपराधबोध, उपेक्षा और सामाजिक असहजता के बीच घिरा हुआ पाती है। विडंबना यह है कि तेजाब का प्रभाव केवल शरीर को नहीं जलाता, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन के प्रति विश्वास को भी भीतर तक झुलसा देता है। यदि हम यह सोचते हैं कि ऐसी कुंठित मानसिकता केवल भारत तक सीमित है, तो यह हमारी गंभीर भूल होगी। स्त्री को अस्वीकार किए जाने, नियंत्रण खो देने या आहत अहंकार के प्रतिशोध में हिंसा का शिकार बनाना दरअसल संपूर्ण विश्व की एक सामाजिक बीमारी है। पुरुष अक्सर स्त्री की 'न' को स्वीकार नहीं कर पाता। जब उसका अहंकार घायल होता है, तब वह शक्ति, भय, हिंसा या नियंत्रण के माध्यम से स्त्री पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। और जब वह ऐसा करने में असफल होता है, तब कई बार प्रतिशोध सबसे क्रूर रूप में सामने आता है। नारीवादी चिंतक बेल हुक्स पितृसत्ता को ऐसी व्यवस्था मानती हैं, जो पुरुष को यह विश्वास दिलाती है कि प्रभुत्व उसका स्वाभाविक अधिकार है। वहीं मनोवैज्ञानिक लंडी बैनक्रॉफ्ट अपनी पुस्तक 'व्हाय डज़ ही डू दैट?' में लिखते हैं कि हिंसा केवल क्षणिक क्रोध का परिणाम नहीं होती, बल्कि उसके मूल में स्वामित्व, अधिकारबोध और नियंत्रण की मानसिकता छिपी होती है। यही कारण है कि जब कोई स्त्री अपनी स्वतंत्र इच्छा से निर्णय लेती है, असहमति जताती है या किसी संबंध को अस्वीकार करती है, तब पुरुषवादी अहंकार कई बार उसे दंडित करने पर उतारू हो जाता है। इन तमाम असहनीय यातनाओं और सामाजिक उपेक्षाओं के बीच जो बात सबसे अधिक चकित करती है, वह है एसिड अटैक सर्वाइवर्स की अदम्य जिजीविषा। उनकी जिजीविषा पितृसत्तात्मक मानसिकता को आईना दिखाती है। जिन लोगों ने उन्हें तोड़ने, डराने और जीवनभर के लिए समाप्त कर देने का प्रयास किया, वे उनके शरीर को तो घायल कर पाए, पर उनकी आत्मा, उनका साहस और जीने की इच्छा को समाप्त नहीं कर सके। शायद यही उन अपराधियों की सबसे बड़ी हार है कि जिन स्त्रियों को वे भय और पीड़ा के अंधेरे में धकेल देना चाहते थे, वही स्त्रियां आज संघर्ष, आत्मसम्मान और साहस की सबसे मजबूत आवाज बनकर खड़ी हैं। भारतीय एसिड अटैक सर्वाइवर रेशमा कुरैशी इसका एक सशक्त उदाहरण हैं। जिस लड़की के चेहरे को तेजाब से मिटा देने की कोशिश की गई थी, वही रेशमा बाद में न्यूयॉर्क फैशन वीक के रैंप तक पहुंचीं। यह केवल एक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध एक शांत किंतु दृढ़ प्रतिरोध था, जो किसी स्त्री की पहचान को उसके चेहरे तक सीमित समझती है। कुछ ऐसी ही कहानी ब्रिटेन की केटी पाइपर की भी है। एक भयावह एसिड अटैक के बाद लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरने वाली केटी ने स्वयं को केवल एक पीड़िता के रूप में सीमित नहीं होने दिया। अनेक सर्जरी, सामाजिक भय और आत्मसंघर्ष के बाद उन्होंने अपने अनुभवों को लेखन और सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनाया। उनकी पुस्तक 'ब्यूटीफुल' केवल एक आत्मकथा नहीं, बल्कि उस स्त्री की आंतरिक यात्रा है, जिसने अपने टूटे हुए अस्तित्व को धीरे-धीरे फिर से गढ़ा। दरअसल, रेशमा कुरैशी, लक्ष्मी अग्रवाल और केटी पाइपर जैसी महिलाएं अकेली नहीं हैं।

आप का नज़रिया

उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की कोशिश

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे न केवल अपने पारंपरिक ढांचे की सीमाओं को पार करना है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित भी करना है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, स्वायत्तता और जवाबदेही को नई दिशा देना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण चरण पर इसका आगमन महज संयोग नहीं है, बल्कि इसे शिक्षा सुधारों की अगली स्वाभाविक और अनिवार्य कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है। तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं। इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है—तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग-अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग-अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास। विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम-आधारित और छात्र-केंद्रित बनाना है। इस विधेयक का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है—वित्तीय सहायता और नियमन के कार्यों का पृथक्करण। पहले यूजीसी अनुदान देने और नियमन दोनों कार्य करता था। नए ढांचे में इन दोनों कार्यों को अलग करने का प्रयास किया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। पहले पहल यह विधेयक प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है। दूसरा, स्पष्ट मानकों और सुदृढ़ प्रत्यायन प्रणाली के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। तीसरा, यह भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर सकता है, जिससे विदेशी छात्रों और निवेश को आकर्षित किया जा सके। लेकिन चिंताएं यह भी हैं कि इसके माध्यम से अत्यधिक केंद्रीकरण का खतरा है। एक ही संस्था में व्यापक शक्तियां केंद्रित होने से संघीय ढांचे और राज्यों की भूमिका प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, वित्तीय प्रावधानों की अस्पष्टता भी एक गंभीर मुद्दा है, जो विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि नियामक परिषद की शक्तियां अत्यधिक बढ़ जाती हैं, तो संस्थानों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है।

तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं। इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है—तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग-अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग-अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास। विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम-आधारित और छात्र-केंद्रित बनाना है।

कुछ अलग

दुष्ट संग नहीं देहि विधाता...

रामचरितमानस में तुलसीदास जी स्पष्ट रूप से कह गए हैं कि 'दुष्ट संग नहीं देहि विधाता', लेकिन किया क्या जा सकता है। दुष्टों की भरमार है। जहां जाओ वहीं इसी श्रेणी के लोगों की जमात बैठी हुई है। सज्जन का जीना मुहाल है और दुर्जन गुलाब जामुन खा रहे हैं। परेशान होकर आदमी स्थितियों का पुनरावलोकन करता है और दुष्टों से बचने का प्रयास करता है। हनुमान जी सीता माता की खोज करते हुए लंका में पहुंचे तो उनके मुख से विभीषण का निवास स्थान देखकर यही निकला कि 'यहां कहां सज्जन कर वासा।' वही बत्तीस दांतों के मध्य जीभ वाली स्थिति। जब भी किसी को मंत्रिमंडल में फेरबदल करना पड़ता है, सोचते हैं कुछ भले आदमी मिल जाएंगे, लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात। एक नागनाथ तो दूसरा सांपनाथ। दुष्टों से भला आदमी बच नहीं सकता। प्रभु से यही कामना करता है कि उसे दुष्ट की संगत नहीं मिले। पर यह कैसे संभव हो सकता है। कदम-कदम पर दुष्टता का नंगा तांडव हो रहा है। रक्तबीज की तरह दुष्ट उठ खड़े होते हैं। आफिस में मैं मेरे सात्विक तरीके से काम करता हूं तो वे ही लोग आते हैं- 'आदमी हो या नामर्द, सदैव विनम्रता से झुके रहते हो। तुम्हारी यह विनम्रता हमें पसंद नहीं है, या तो अपना रवैया बदलो वरना ठीक नहीं होगा। आखिर क्यों समय पर आते और जाते हो? क्यों तमाम कार्य का निष्पादन यथासमय कर देते हो। रिश्वत भी नहीं खाते। यह भी कोई जीवन है?' मैंने कहा- 'यह मेरी जीवन शैली है और आप लोग मुझे इस पर बदस्तूर चलने दें। मैं इससे हट नहीं सकता।' लेकिन वे कब मानने वाले थे। बड़ी मुश्किल से उन दुष्टों को चाय-समोसा खिलाकर निजात पाई।

दृष्टि कोण

चुनाव परिणाम और भावी राजनीति के संकेत

असम पश्चिमी बंगाल, केरल, पुडुच्चेरी और तमिलनाडु की विधानसभाओं के लिए हुए चुनाव के नतीजे भारत की राजनीति को भीतर तक और दूर तक प्रभावित करने वाले हैं। सबसे पहले तमिलनाडु। तमिलनाडु में 1969 से लेकर 2026 तक द्रविड़ राजनीति का कब्जा रहा। उससे पहले 1947 से 1969 तक कांग्रेस का वर्चस्व था। द्रविड़ राजनीति की शुरुआत जस्टिस पार्टी के रामास्वामी पेरियार ने ब्रिटिश काल में की थी। इस राजनीति का आधार आर्य बनाम द्रविड़, जिसे उत्तर बनाम दक्षिणी कहा जाता है, था। इस सिद्धान्त के अनुसार आर्य यूरोप के थे जिन्होंने मध्य एशिया के रास्ते भारत पर सप्त सिन्धु क्षेत्र से हमला किया था और यहां के स्थानीय निवासियों को पराजित कर दक्षिण में धकेल दिया था। इस आधार पर पेरियार ने मद्रास प्रेसिडेंसी में आर्य बनाम द्रविड़ राजनीति का ताना-बाना बुना था। इस सिद्धान्त का प्रचार अंग्रेजों ने किया था, जिसे कांग्रेस ने स्वीकार कर लिया था। डा. भीमराव रामजी अंबेडकर ने ब्रिटिश काल में ही इस सिद्धान्त का खंडन किया था और बाकायदा इसके लिए एक किताब लिखी थी। लेकिन तब कांग्रेस ने अंबेडकर को अंग्रेजों का पि्ू कहा था। पेरियार से अंबेडकर का इसी विषय को लेकर गहरा मतभेद था। लेकिन पेरियार ने अपनी इस भेदकारी राजनीति को आधार देने के लिए द्रविड़ कड़गम पार्टी का गठन किया। उसके आन्दोलन का मुख्य आधार था कि हिन्दी आर्यों की भाषा है, इसलिए तमिलनाडु में उसे नहीं घुसने दिया जा सकता। लेकिन जब उसने 1949 में 70 साल की आयु में 32 साल की अपनी ही सचिव से शादी कर ली तो जन सामान्य ने इसे उसके नैतिक पतन के तौर पर

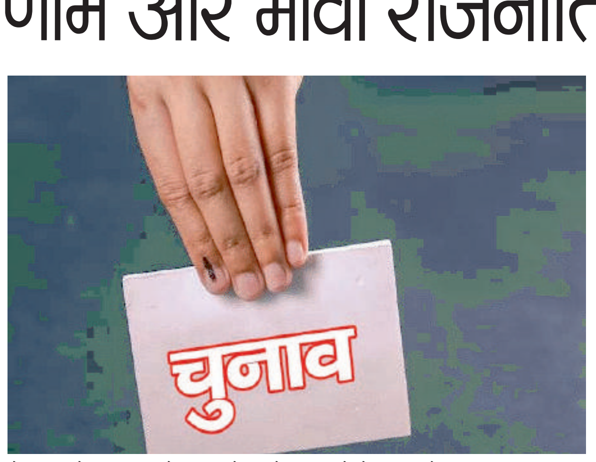

देखा। इसके कारण उसके शिष्यों ने उससे अलग होकर पार्टी का नाम द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके कर दिया। 1967 में पार्टी ने हिन्दी के विरोध में आन्दोलन चलाया और 1969 के विधानसभा चुनावों में डीएमके की सरकार बनी। बाद में डीएमके के एक हिस्से ने अलग होकर अपना नाम अन्ना डीएमके यानी एडीएमके रख लिया। लेकिन दोनों की राजनीति का आधार आर्य/द्रविड़, हिन्दी विरोध, मंदिर विरोध ही रहा। इस प्रकार 1969 से लेकर 2026 तक डीएमके/एडीएमके का शासन ही रहा। अब पहली बार लगभग 57 साल के बाद तमिलनाडु द्रविड़ राजनीति के इस विभाजनकारी चक्रव्यूह से मुक्त हुआ है। यहां तक कि वहां के मुख्यमंत्री स्टालिन भी हार गए हैं। विजय की नई पार्टी टीवीके जीत गई है। यकीनन इसे तमिलनाडु के एक काले अध्याय का अन्त मानना चाहिए। पुडुच्चेरी 1947 से पहले फ्रांस के अधीन था। लेकिन मूलतः यह क्षेत्र तमिलनाडु का ही हिस्सा है और यहां की भाषा भी तमिल ही है। इसलिए यहां भी द्रविड़ राजनीति का प्रभाव है। यहां भी लम्बे अरसे तक डीएमके/अन्ना डीएमके का शासन रहा। लेकिन पिछले दशक से एन रंगास्वामी ने अपने ही नाम से एन रंगास्वामी कांग्रेस पार्टी का गठन कर भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से राजनीति का संचालन किया। इन चुनावों में भी पुडुच्चेरी की तीस सदस्यीय विधानसभा में इन दोनों दलों के गठबंधन ने बहुमत हासिल किया। भारतीय जनता पार्टी के चार विधायक जीते। केरलम में लंबे अरसे से एलडीएफ और यूडीएफ गठबन्धनों का कब्जा है। यूडीएफ का नेतृत्व सोनिया कांग्रेस व मुस्लिम लीग करती हैं और एलडीएफ का नेतृत्व सीपीएम और सीपीआई करती हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के कुछ छोटे दलों को साथ लेकर प्रदेश की राजनीति में तीसरा स्तम्भ स्थापित करने का प्रयास करती रही है। केरलम में पिछले दस साल से एलडीएफ की सरकार है। लेकिन इन चुनावों में सोनिया कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने 140 सदस्यीय विधानसभा में 85 सीटें जीत कर अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया। एलडीएफ में सीपीएम और सीपीआई केवल 34 सीटें जीत सके। भारत में कम्युनिस्टों का यह अंतिम गढ़ भी धराशायी हो गया।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

मुम्बई

भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है। टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं। दूसरी ओर सूर्या ने अगले दो साल तक कप्तान बने रहने की इच्छा जाहिर की है पर बीसीसीआई उन्हें शायद ही अवसर दे।

वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी बेहतर होती जा रही है। पिछले आईपीएल सीजन में उन्होंने पंजाब किंग्स को शानदार तरीके से फाइनल तक पहुंचाया था, और आईपीएल 2026 में भी उनका प्रदर्शन अब तक जबरदस्त रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एस्टन विला ने नाटिंघम फारेस्ट को रौंदकर यूरोपा लीग फाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम। एस्टन विला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को नाटिंघम फारेस्ट को 4-0 से हराकर यूरोपा लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो चरणों के सेमीफाइनल में एस्टन विला ने कुल 4-1 से जीत दर्ज की। अब फाइनल में एस्टन विला का सामना फ्राइबर्ग से 20 मई को इस्तांबुल में होगा। फ्राइबर्ग ने दूसरे सेमीफाइनल में ब्रागा को 3-1 से हराकर कुल 4-3 से मुकाबला अपने नाम किया। पहले चरण में 0-1 से पिछड़ने के बाद कोच उनाई एमरी की टीम ने घरेलू मैदान विला पार्क में आक्रामक शुरुआत की। मैच के 36वें मिनट में ओली वाटकिंस ने एमिलियानो बुएंदिया के शानदार मूव के बाद आसान गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 58वें मिनट में एमिलियानो बुएंदिया ने पेनल्टी पर गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। नाटिंघम के खिलाड़ी निकोला मिलेंकोविच द्वारा पाउ टोरेस की जर्सी खींचने पर रेफरी ने पेनल्टी दी थी। इसके बाद कप्तान जान मैकगिन ने 77वें और 80वें मिनट में लगातार दो गोल कर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनके गोल के बाद स्टेडियम में मौजूद करीब 43 हजार दर्शक खुशी से झूम उठे। मुकाबला देखने पहुंचे ब्रिटेन के प्रिंस विलियम भी एस्टन विला की जीत का जश्न मनाते नजर आए। एस्टन विला ने 1982 में यूरोपीय चैंपियन का खिताब जीता था, जबकि टीम ने आखिरी बार 1996 में लीग कप जीतकर कोई बड़ी ट्राफी अपने नाम की थी। अब चार बार यूरोपा लीग जीत चुके उनाई एमरी की नजर इंग्लिश क्लब के साथ पहली बार यह खिताब जीतने पर होगी।

मार्श-प्रिंस के शानदार प्रदर्शन से लखनऊ ने आरसीबी को हराकर प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखीं

लखनऊ। मिचेल मार्श और प्रिंस यादव के अच्छे प्रदर्शन से लखनऊ सुपर जायंट्स ने यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को हराकर प्लेआफ के लिए अपनी उम्मीदें बराकरार रखीं है। सुपर जायंट्स को लगातार छह हार के बाद ये जीत मिली है। बारिश से बाधित इस मैच में सुपर जायंट्स ने आरसीबी को 9 रनों से हरा दिया। इस मैच में जहां मिचेल ने शतक लगाया। वहीं प्रिंस ने चार ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए बारिश के कारण यह मुकाबला 19-19 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने मार्श के शतक से तीन विकेट पर 209 रन बनाये। मार्श ने केवल 56 गेंदों में 9 चौकों और 9 छक्कों की सहायता से 111 रन बनाए। वहीं आरसीबी की तरफ से जोश हेजलवुड, रसिख सलाम और एक अन्य गेंदबाज ने एक-एक विकेट लिया। इससे बाद आरसीबी को 19 ओवर में जीत के लिए 213 रनों का लक्ष्य दिया गया पर वह 203 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछका करते हुए आरसीबी की टीम प्रिंस की गेंदबाजी के साथ ने टिक नहीं पायी। प्रिंस ने विराट कोहली को अपनी पहली ही गेंद पर आउट कर जो दबाव बनाया उसके सामने आरसीबी बिखर गयी।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी।

94 पर नाबाद थे फिन एलेन, केकेआर को जीत के लिए चाहिए थे 2 रन फिर आखिरी गेंद पर ऐसे पूरा किया ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली: आईपीएल 2026 के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स के ओपनिंग बल्लेबाज फिन एलेन ने वह कर दिखाया जिसकी उम्मीद शायद ही किसी ने की होगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए इस मैच में एलेन ने न केवल अपनी टीम को 8 विकेट से एकतरफा जीत दिलाई बल्कि आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर अपना ऐतिहासिक शतक भी पूरा किया।

आखिरी ओवर में कैसे पूरा किया शतक?

मैच के अंतिम क्षणों में ड्रामा अपने चरम पर था। केकेआर को जीत के लिए केवल 3 रनों की दरकार थी जबकि क्रीज पर मौजूद फिन एलेन 94 रन पर खेल रहे थे। उनके पास शतक पूरा करने के लिए छक्का मारने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था क्योंकि टीम को जीत के लिए सिर्फ 3 रन चाहिए थे। अगर वह चौका मारते तो केकेआर जीत जाती लेकिन एलेन 98 पर नाबाद रह जाते।

ग्रीन ने सिंगल देकर दे दी स्ट्राइक

15वें ओवर की पहली गेंद पर कैमरून ग्रीन ने सिंगल लेकर स्ट्राइक एलेन को दी। अब समीकरण यह था कि केकेआर को जीत के लिए 2 रन चाहिए थे और एलेन को शतक के लिए 6 रन। गेंदबाज मुकेश कुमार के सामने चुनौती कठिन थी लेकिन एलेन के इरादे फौलादी थे। ओवर की दूसरी गेंद पर एलेन ने मुकेश की गेंद को हवाई यात्रा पर भेजते हुए मिड-विकेट के ऊपर से शानदार छक्का जड़ दिया। इस एक शॉट के साथ ही एलेन का शतक भी पूरा हुआ और केकेआर ने 14.2 ओवर में ही 147 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

पारी में ठोके 10 छक्के

फिन एलेन की इस पारी की बात करें तो उन्होंने मात्र 47 गेंदों में 212.77 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 100 रन बनाए। उनकी इस तूफानी पारी में 10 गगनचुंबी छक्के और 5 चौके शामिल रहे। दिल्ली के गेंदबाज एलेन के सामने पूरी तरह बेबस नजर आए। मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 142 रन बनाए थे जिसे केकेआर ने केवल 2 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 51वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच 8 मई को खेला गया। यह मुकाबला कोलकाता ने 8 विकेट से बड़ी आसानी के साथ जीत लिया। बता दें कि कोलकाता की इस सीजन यह लगातार चौथी जीत थी और वे पूरी तरह से प्लेऑफ की रेस में जिंदा हैं। कोलकाता के अब 9 अंक 10 मैच में हो गए हैं। अगर वे यहां से सारे मैच जीतते हैं तो प्लेऑफ में क्वालीफाई कर सकते हैं। कोलकाता पॉइंट्स टेबल में 7वें पायदान पर आ गई है।

दूसरी ओर, दिल्ली कैपिटल्स का अब प्लेऑफ में क्वालीफाई करना लगभग नामुमकिन हो गया है। वे 11 में से 7 मैच हार गए हैं। दिल्ली अगर अपने बचे हुए तीनों मैच भी जीत जाती है तो भी 14 अंक तक ही पहुंच पाएगी। डीसी पॉइंट्स टेबल में 8वें स्थान पर आ गई।

फिन एलेन ने ठोका तूफानी शतक

बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइटराइडर्स को 143 रन का टारगेट दिया था। यह लक्ष्य फिन एलेन के तूफानी शतक के चलते केकेआर ने 14.2 ओवर में ही चेज कर दिया।

मैग्नस कार्लसन ने अर्जुन एरिगैसी को हराकर टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीता

मालमो

विश्व नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने गुरुवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को सडन डेथ प्लेआफ में हराकर टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्य टूर्नामेंट में अपराजित रहने वाले अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

टाईब्रेकर की दो बाजियों में दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक जीत दर्ज की, जिसके बाद मुकाबला सडन डेथ तक पहुंचा, जहां कार्लसन ने बाजी मार ली।

यह दूसरी बार है जब अर्जुन इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने से चूक गए। इससे पहले 2024 में भी वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे थे।

अर्जुन अंतिम राउंड में 4.5/6 अंकों के साथ एकल बढ़त पर थे, जबकि कार्लसन और यागिज कान एरदोगमुस उनसे आधा अंक पीछे थे। अगर अर्जुन अंतिम राउंड में एंडी वुडवर्ड को हरा देते तो वह सीधे चैंपियन बन जाते, लेकिन मुकाबला ड्रा रहने के कारण कार्लसन को बराबरी का मौका मिल गया।

दूसरी ओर कार्लसन ने अंतिम राउंड में एरदोगमुस को हराकर अर्जुन की बराबरी कर ली और टूर्नामेंट को प्लेआफ तक पहुंचा दिया। गौरतलब है कि टूर्नामेंट के पहले राउंड में अर्जुन एरिगैसी ने कार्लसन के खिलाफ मुकाबला ड्रा कराया था।

विनेश एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित

नई दिल्ली। कुश्ती में वापसी कर रहीं ओलंपियन विनेश फोगट को करारा झटका लगा है। विनेश को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रेसलिंग फेडरेशन आफ इंडिया (डब्यलूएफआई) के अनुसार चयन ट्रायल के लिए योग्यता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में पदक विजेता होने पर निर्भर करती है और वह इसमें से किसी में भी शामिल नहीं थीं। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया। पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से ही विनेश ने खेल से संन्यास ले लिया था। इसलिए वह पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। विनेश ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था पर रेसलिंग फेडरेशन आफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में पूरे किए 100 गोल, अल-नस्त्र की शानदार जीत

रियाद

दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल दागकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। रोनाल्डो के गोल की बदौलत अल-नस्त्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली।

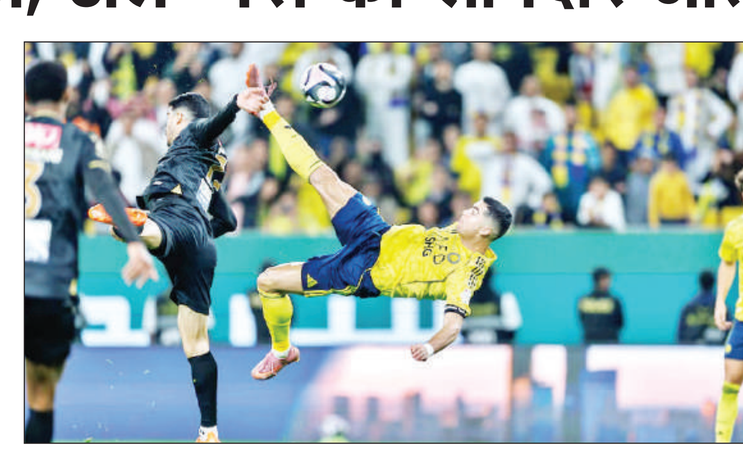

41 वर्षीय रोनाल्डो ने मैच के 75वें मिनट में सादियो माने के क्रास पर शानदार फिनिश करते हुए यह खास मुकाम हासिल किया। यह उनके पेशेवर करियर का 971वां गोल भी रहा। मौजूदा सत्र में रोनाल्डो अब तक 26 लीग गोल कर चुके हैं। अल-नस्त्र के मुख्य कोच जार्ज जीसस ने मैच के बाद कहा, रोनाल्डो हमेशा आक्रमण में खतरनाक साबित होते हैं और आज भी उन्होंने यह दिखा दिया।

इस मुकाबले में जुआओ फेलिक्स ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे। जुलाई में चेल्सी से टीम में शामिल हुए फेलिक्स लगातार बेहतरीन फार्म में नजर आ रहे हैं।

इस जीत के साथ अल-नस्त्र ने 32 मैचों में 82 अंक हासिल कर लिए हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद अल-हिलाल से पांच अंक आगे निकल गया है। हालांकि अल-हिलाल के पास अभी तीन मैच बाकी हैं।

अब अल-नस्त्र का अगला मुकाबला अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल के खिलाफ होगा, जिसे लीग खिताब की दौड़ में निर्णायक माना जा रहा है।

कोच जार्ज जीसस ने कहा, यह डर्बी मुकाबला बेहद अहम है। हम पूरी एकाग्रता के साथ इसकी तैयारी कर रहे हैं क्योंकि छोटे-छोटे पल मैच का परिणाम तय कर सकते हैं।

पांच बार के बैलन डीआर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्त्र से जुड़ने के बाद से अभी तक सऊदी अरब में कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सके हैं।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि आईपीएल 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेआफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं।

पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है।

टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी आस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है।

इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं।

वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है।

यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रायल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रायल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

एलजी का मेगा 2026 धमाका: अब भारत से दुनिया को जाएगी ठंडक, 22 देशों को एक्सपोर्ट होंगे मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स

एआई वाली वॉशिंग मशीन और बिना नल वाला जादुई फ्रिज लॉन्च; नोएडा बना ग्लोबल हब

नोएडा

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी एलजी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करते हुए वर्ष 2026 के लिए अपना फ्यूचर-रेडी होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो पेश कर दिया है। नोएडा में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने अपनी प्रसिद्ध 'एसेंशियल सीरीज के विस्तार के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक पर आधारित प्रीमियम वॉशिंग मशीन और अत्याधुनिक फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज से पर्दा उठाया। एलजी की यह नई पहल न केवल प्रीमियम श्रेणी के ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए है, बल्कि इसके जरिए आधुनिक तकनीक को किफायती-प्रीमियम श्रेणी में लाकर मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुँचाना भी कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

इस लॉन्च की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी एलजी का 'मेक-इन-इंडिया से 'मेक-इंडिया-ग्लोबल की ओर बढ़ता कदम है। कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि भारत अब उनके लिए केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विनिर्माण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। इसी रणनीतिक बदलाव के तहत नोएडा और पुणे के कारखानों में निर्मित इन विश्वस्तरीय उत्पादों को साल 2026 तक एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के 22 प्रमुख देशों में निर्यात किया जाएगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जीयोन ने इस अवसर पर कहा कि उनका ध्येय ऐसी तकनीक प्रदान करना है जो भारतीय जीवनशैली को सरल और स्मार्ट बनाने के साथ-साथ वैश्विक मानकों पर भी खरी उतरे।

तकनीक के मोर्चे पर कंपनी ने कई फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स पेश किए हैं जो उपभोक्ताओं के घरेलू कामों को बेहद आसान बना देंगे। कंपनी ने भारत का पहला ऐसा फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर पेश किया है जो बिना किसी बाहरी नल कनेक्शन या प्लंबिंग के ही ऑटो आइस मेकर की सुविधा प्रदान करता है। वहीं लॉन्ड्री सेगमेंट में एआई डीडी 2.0 तकनीक को शामिल किया गया है, जो कपड़ों के वजन और उनके फैब्रिक की कोमलता को स्वयं पहचानकर सबसे सटीक धुलाई चक्र का चयन करने में सक्षम है।

न्यूज ब्रीफ

लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सन का नया वेरिएंट लाने की तैयारी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सन का एक नया वेरिएंट लाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस लग्जरी फीचर को मध्यम वर्ग के ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके और यह अपेक्षाकृत कम कीमत में उपलब्ध होगा। यह नया माडल पैनोरमिक सनरूफ जैसी प्रीमियम सुविधा के साथ आएगा, जिसे अब तक केवल महंगे वाहनों में ही देखा जाता था। माना जा रहा है कि इस नए वेरिएंट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 9.49 लाख रुपये हो सकती है, जिससे यह अपने सेगमेंट में एक आकर्षक विकल्प बन जाएगा। वर्तमान में, टाटा नेक्सन में सिंगल पेन सनरूफ का विकल्प उपलब्ध है, लेकिन पैनोरमिक सनरूफ के साथ ग्राहकों को अधिक खुला और प्रीमियम अनुभव मिलेगा। यह नया वेरिएंट पेट्रोल, डीजल और सीएनजी तीनों इंजन विकल्पों में पेश किया जा सकता है, जिससे ग्राहक अपनी पसंद और बजट के अनुसार चुनाव कर सकेंगे। टाटा नेक्सन पहले से ही अपनी मजबूत सुरक्षा और आधुनिक फीचर्स के लिए जानी जाती है, जिसमें एयरबैग, इलेक्ट्रानिक स्थिरता नियंत्रण (ईएससी), चाइल्ड सीट एंकरिंग, पार्किंग सेंसर और हिल होल्ड जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एलईडी हेडलाइट्स, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और मल्टी ड्राइव मोड जैसी तकनीकी खासियतें भी इसे बाजार में लोकप्रिय बनाती हैं।

बजाज आटो ने किया एवेंजर 160 स्ट्रीट माडल का उत्पादन बंद

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एवेंजर मोटरसाइकिल श्रृंखला में बदलाव करते हुए बजाज आटो ने एवेंजर 160 स्ट्रीट माडल का उत्पादन बंद कर दिया है। वहीं कंपनी ने एवेंजर 220 स्ट्रीट को दोबारा बाजार में उतारने का फैसला किया है।

इस बाइक को वर्ष 2020 में बंद कर दिया गया था। कंपनी के इस कदम के साथ ही, बजाज एवेंजर श्रृंखला से 160 सीसी इंजन का विकल्प पूरी तरह समाप्त हो गया है, जो कंपनी की क्रूजर लाइनअप को अधिक प्रीमियम और शक्तिशाली बनाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। नई एवेंजर 220 स्ट्रीट में वही 220 सीसी का आयल-कूल्ड इंजन मिलेगा, जो एवेंजर 220 क्रूज माडल में भी दिया जाता है। यह इंजन लगभग 19 अश्वशक्ति की अधिकतम ताकत और 17.6 न्यूटन मीटर का पीक टार्क पैदा करने में सक्षम है। इसे पांच स्पीड गियरबाक्स के साथ जोड़ा गया है, जो लंबी दूरी की यात्राओं के लिए बेहतर प्रदर्शन और आरामदायक अनुभव प्रदान करेगा। बंद हुई एवेंजर 160 स्ट्रीट की तुलना में, नया 220 सीसी माडल कहीं अधिक शक्तिशाली होगा। डिजाइन के मामले में, नई 220 स्ट्रीट अपने पुराने माडल जैसी ही दिखेगी, जिसमें एक आकर्षक ब्लैक थीम, एलाय व्हील्स और क्रूजर बाइक का विशिष्ट लुक शामिल होगा।

एमपीवी ग्रेवाइट का नया सीएनजी वेरिएंट लान्च

नई दिल्ली। निसान ने भारतीय बाजार में अपनी काम्पैक्ट एमपीवी (मल्टी-पर्पस व्हीकल) ग्रेवाइट का नया सीएनजी वेरिएंट लान्च कर दिया है। इस माडल को निसान ने अपनी डीलरशिप्स पर सीएनजी किट के साथ पेश किया है।इस वेरिएंट में ट्विन सिलेंडर तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसका मतलब है कि इसमें दो छोटे सीएनजी सिलेंडर दिए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 25-25 लीटर पानी के बराबर है। इस तकनीक से वाहन के बूट स्पेस में सामान रखने के लिए पर्याप्त जगह बनी रहती है, जो अक्सर सिंगल बड़े सिलेंडर वाले सीएनजी वाहनों में एक समस्या होती है। निसान ग्रेवाइट में एक लीटर क्षमता वाला पेट्रोल इंजन मिलता है, जो सीएनजी पर चलने के लिए अनुकूलित किया गया है। यह इंजन 72 पीएस की पावर और 96 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। इसमें मैनुअल और आटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्प उपलब्ध हैं, हालांकि सीएनजी वेरिएंट आमतौर पर मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ ही आते हैं। फीचर्स के मामले में, यह एमपीवी काफी आधुनिक है, जिसमें एलईडी लाइट्स, क्रूज कंट्रोल, छह एयरबैग, एबीएस (एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम), ईबीडी (इलेक्ट्रानिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन), ट्रैक्शन कंट्रोल और इलेक्ट्रानिक स्थिरता नियंत्रण (ईएससी) जैसी महत्वपूर्ण सुरक्षा और सुविधाएँ शामिल हैं। कंपनी इस एमपीवी पर तीन साल या एक लाख किलोमीटर तक की वारंटी दे रही है, जिसे ग्राहक बढ़ाकर दस साल या दो लाख किलोमीटर तक कर सकते हैं।

साइबर सुरक्षा में एयरटेल का बड़ा कदम; हाइब्रिड दफ्तरों के लिए देश का पहला यूनिफाइड ज़ीरो ट्रस्ट समाधान लान्च

कंपनियों के सुरक्षा खर्च में होगी 30प्रतिशत तक की बचत; एआई-संचालित हमलों से निपटने के लिए बनाया अभेद्य कवच

नई दिल्ली

एआई-संचालित साइबर हमलों के बढ़ते खतरों और जटिलताओं के बीच, भारती एयरटेल की बी2बी इकाई एयरटेल बिज़नेस ने एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स लान्च किया है। यह हाइब्रिड माडल पर काम करने वाले उद्यमों के लिए भारत का पहला पूर्णतः प्रबंधित और एकीकृत ज़ीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर सुरक्षा समाधान है। वर्ष 2025 में दर्ज हुई 20 लाख से अधिक साइबर सुरक्षा घटनाओं को देखते हुए, यह प्लेटफार्म उद्यमों के लिए एंड-टू-एंड और नियमों के अनुरूप सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराता है।

एयरटेल बिज़नेस के सीईओ शरत सिन्हा ने बताया कि यह समाधान न केवल सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करता है, बल्कि उद्यमों के साइबर सुरक्षा खर्च में 30 प्रतिशत तक की कमी भी सुनिश्चित करेगा। एयरटेल के 24×7 विशेषज्ञों की निगरानी और राष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा विशेषज्ञता संगठनों को अपने स्वयं के सुरक्षा बुनियादी ढांचे को चलाने के परिचालन बोझ से मुक्त करेगी, जिससे वे अपने मुख्य व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह समाधान उपयोगकर्ताओं, उपकरणों और नेटवर्क के हर टच पाइंट को सुरक्षित करता है। इसका एकीकृत डैशबोर्ड उद्यमों को उनके पूरे नेटवर्क और डेटा का एक ही जगह पर सिंगल व्यू प्रदान करता है। इसके साथ ही, एयरटेल ने सेंटर आफ एक्सीलेंस का भी अनावरण किया है, जहाँ उद्यम इस अभेद्य सुरक्षा प्रणाली का लाइव अनुभव ले सकेंगे।

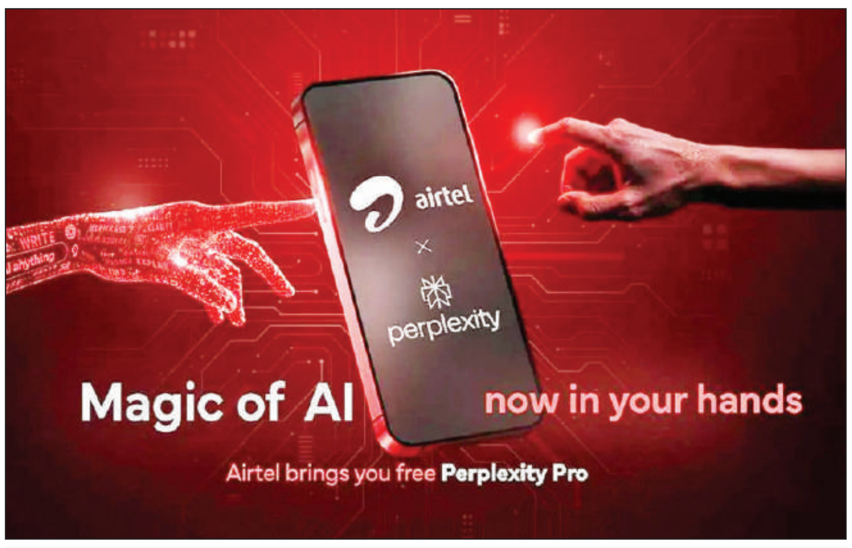

टोयोटा ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल स्कूटर के लिए पेटेंट किया दाखिल

नई दिल्ली। जापानी आटोमोबाइल दिग्गज टोयोटा ने एक हाइड्रोजन फ्यूल सेल स्कूटर के लिए पेटेंट दाखिल किया है। दावा किया जा रहा है कि यह स्कूटर एक बार फुल टैंक होने पर लगभग 200 किलोमीटर तक की प्रभावशाली रेंज प्रदान कर सकेगा। इस स्कूटर की एक और खासियत यह है कि यह पेट्रोल पर भी चलने में सक्षम होगा, जिससे यह हाइब्रिड क्षमता वाला एक अनूठा दोपहिया वाहन बन जाएगा। टोयोटा का यह नया हाइड्रोजन स्कूटर सुजुकी बर्गमैन 400 के पुराने माडल पर आधारित बताया जा रहा है। गौरतलब है कि टोयोटा और सुजुकी पहले से ही हाइड्रोजन स्माल मोबिलिटी और इंजन तकनीक पर मिलकर काम कर रही हैं, और यह नया स्कूटर इसी सहयोग का परिणाम हो सकता है। कंपनी के पेटेंट दस्तावेजों के अनुसार, स्कूटर में हाइड्रोजन टैंक को फ्लोरबोर्ड के नीचे कुशलता से लगाया जा सकता है। यह टैंक स्वैपेबल होगा, यानी इसे आसानी से निकाला और बदला जा सकेगा, जिससे उपयोगकर्ताओं को गैस स्टेशन पर लंबे समय तक रुकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। टोयोटा ने टैंक निकालने के लिए दो अलग-अलग तकनीकों पर भी काम किया है, ताकि सुरक्षा और सुविधा दोनों सुनिश्चित की जा सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर्यावरण के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इससे प्रदूषण लगभग शून्य होता है और इसका एकमात्र उप-उत्पाद पानी होता है। यदि हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से किया जाए, तो यह पूरी तरह स्वच्छ ईंधन का विकल्प बन सकता है। हालांकि, शुरुआती दौर में ऐसे स्कूटर महंगे हो सकते हैं और सीमित संख्या में ही बाजार में उतारे जा सकते हैं।

अप्रैल में टीवीएस ने की इलेक्ट्रिक स्कूटर की सर्वाधिक बिक्री

नई दिल्ली

अप्रैल 2026 के बिक्री आंकड़ों ने इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एक बड़ा उलटफेर दिखाया है। इस महीने टीवीएस मोटर कंपनी ने बिक्री के मामले में पहला स्थान हासिल किया है। टीवीएस को पिछले महीने 37,661 नए ग्राहक मिले, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 96 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्शाता है। इस दमदार प्रदर्शन के साथ टीवीएस इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में सबसे ज्यादा बिक्री करने वाली कंपनी बन गई है।

बिक्री की दौड़ में दूसरे स्थान पर बजाज आटो रही, जिसने अप्रैल महीने में 32,883 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे और सालाना आधार पर 72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। तीसरे स्थान पर एथर एनर्जी रही, जिसने 27,024 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुनी थी। हीरो मोटोकार्प की इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा ने 15,230 स्कूटर बेचकर चौथे स्थान पर कब्जा जमाया और 148 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक, जो लंबे समय तक बाजार में शीर्ष स्थान पर थी, इस बार पांचवें नंबर पर खिसक गई। ओला की बिक्री में 39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और कंपनी केवल 12,166 यूनिट्स ही बेच पाई। छठे स्थान पर ग्रीव्स इलेक्ट्रिक रही जिसने 6,884 स्कूटरों की बिक्री की।

सातवें स्थान पर रिवर मोबिलिटी ने 302 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त के साथ 3,198 यूनिट्स बेचीं, जबकि आठवें नंबर पर बीगास आटो ने 3,065 ग्राहकों को अपने साथ जोड़ा, जिसकी बिक्री में 133 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। नौवें स्थान पर सिंपल एनर्जी रही जिसने 1,188 स्कूटर बेचे। वहीं, बाउंस इलेक्ट्रिक दसवें नंबर पर रही, जिसने 1,077 यूनिट्स की बिक्री की और सबसे अधिक वृद्धि दर दर्ज की, पिछले साल के 64 स्कूटरों की तुलना में कई गुना उछाल आया।

पल्सर ब्रांड के दम पर बजाज आटो का बड़ा दांव

मुंबई। बजाज आटो अपने पल्सर ब्रांड पर बड़ा दांव लगा रहा है। कंपनी वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में 125 सीसी और 150-250 सीसी श्रेणियों में नई मोटरसाइकिलें लान्च करने की तैयारी में है, ताकि त्योहारी सीजन की तेजी का लाभ उठाया जा सके। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार ये माडल मुख्य रूप से पल्सर ब्रांड के तहत होंगे। हाल के महीनों में पल्सर की बिक्री और लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 के बीच पल्सर एन और एनएस श्रृंखला में 8-10 नए माडल पेश किए गए, जो अब 150 सीसी से अधिक क्षमता वाली श्रेणी में बजाज की कुल बिक्री के 50 फीसदी से अधिक हैं। वित्त वर्ष 26 में, 150-200 सीसी श्रेणी, जो पल्सर का मुख्य क्षेत्र है, देश के बाजार में 37.5% बढ़कर 15.1 लाख इकाई हुई। इस श्रेणी में बजाज की अपनी बिक्री 61.5 फीसदी बढ़ी, जो बाजार औसत से अधिक है। कंपनी वित्त वर्ष 27 में भी नए माडल पेश करने का सिलसिला जारी रखेगी।

सोना 800 रुपए महंगा, चांदी भी 3,300 रुपए उछली, सोना 1,53,100 के पार पहुंचा

नई दिल्ली

सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार के कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार खुलते ही चांदी के भाव 3,300 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए, जबकि सोने की कीमत में भी 800 रुपये से अधिक की वृद्धि देखने को मिली, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। एमसीएक्स पर 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी ने मजबूत शुरुआत की। पिछले सत्र में 2,58,540 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद होने के बाद, यह 2,59,999 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 3,271 रुपये की तेजी के साथ 2,61,811 रुपये तक पहुंच गई। सुबह शुरुआत में यह 2,523 रुपये की बढ़त के साथ 2,61,063 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

इसी तरह 5 जून की डिलीवरी वाले सोने की कीमतों में भी उछाल आया। पिछले सत्र में 1,52,261 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद होने के बाद, यह 1,52,672 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 842 रुपये की तेजी के साथ 1,53,103 रुपये तक पहुंचा। सुबह शुरुआत में 576 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,837 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। हाजिर बाजार का मिलाजुला रुख: हालांकि, हाजिर सर्राफा बाजार में सोने की चाल एमसीएक्स के विपरीत रही। 24 कैरेट सोना 320 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,680 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं 22 कैरेट सोना 300 रुपये गिरकर 1,39,950 रुपये और 18 कैरेट सोना 240 रुपये की कमी के साथ 1,14,510 रुपये पर आ गया। दूसरी ओर, हाजिर चांदी में 5,000 रुपये की बड़ी तेजी दर्ज की गई और यह 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

पश्चिम बंगाल फिर बनेगा व्यापार, उद्योग और रोजगार का शक्तिशाली केंद्रः खंडेलवाल

कहा-व्यापारी जगत को भाजपा सरकार में दिखी नई उम्मीद की किरण

नई दिल्ली

देश की राजधानी नई दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद तथा कान्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल का व्यापार एवं उद्योग जगत अब राज्य में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनने जा रही भाजपा सरकार के साथ नई आशा और विश्वास से भरा हुआ है।

खंडेलवाल ने कहा, अब समय आ गया है कि पश्चिम बंगाल में अब विश्वास बहाल हो, उद्योगों को नई ऊर्जा मिले और राज्य फिर से विकास एवं समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुए। बंगाल में लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म हुआ, क्योंकि ममता बनर्जी को धूल चटाने वाले शुभेंदु अधिकारी राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। कोलकाता में हुई विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में उनके नाम पर अंतिम मुहर लग गई है।

कैट महामंत्री ने आगे कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में उद्योग, व्यापार, एमएसएमई, पारंपरिक कारोबार और उद्यमिता को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नीति अस्थिरता, निवेशकों का घटता विश्वास, उद्योगों का पलायन, सिंडिकेट संस्कृति, प्रशासनिक दबाव और कमजोर औद्योगिक वातावरण ने बंगाल की ऐतिहासिक औद्योगिक पहचान को कमजोर किया।इसीलिए इस बार के चुनावों में डर और दहशत के माहौल से बाहर निकल कर बंगाल में व्यापारी वर्ग ने खुलकर भाजपा का समर्थन किया।

खंडेलवाल ने कहा की एक समय देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में गिने जाने वाला पश्चिम बंगाल आज निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास की दौड़ में पीछे चला गया है। हजारों एमएसएमई इकाइयां बंद हुई या अन्य राज्यों में स्थानांतरित हो गईं। व्यापारियों, छोटे उद्योगों, कारीगरों और पारंपरिक क्षेत्रों को पर्याप्त संरक्षण एवं प्रोत्साहन नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से चाय, जूट, हैंडलूम, चमड़ा, मिठाई उद्योग और छोटे व्यापार से जुड़े लाखों लोगों को बढ़ती लागत, जटिल नियमों और कमजोर बुनियादी ढांचे का सामना करना पड़ा। छेना आधारित मिठाइयों पर जीएसटी ने भी पारंपरिक मिठाई उद्योग पर अतिरिक्त बोझ डाला।

कैट के कार्यकारी चेयरमैन तथा बंगाल के प्रसिद्ध उद्योगपति सुभाष अग्रवाला ने कहा की व्यापार जगत का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के वोकल फार लोकल , मेक इन इंडिया , स्टार्टअप इंडिया और ईज आफ डूइंग बिजनेस के विजन के अनुरूप यदि पश्चिम बंगाल में पारदर्शी एवं उद्योग समर्थक शासन स्थापित होता है, तो राज्य पुनः पूर्वी भारत का सबसे बड़ा व्यापार एवं औद्योगिक केंद्र बन सकता है।

उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के व्यापार एवं उद्योग जगत प्रमुख रूप से अब बंगाल में निवेशक अनुकूल औद्योगिक नीति, बिजली शुल्क एवं टैरिफ में राहत, एमएसएमई और स्टार्टअप को प्रोत्साहन, व्यापार एवं उद्योगों के लिए सरल नियम एवं सिंगल विंडो सिस्टम, लाजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं औद्योगिक कारिडोर का विकास, पारंपरिक उद्योगों एवं कारीगरों को संरक्षण तथा छेना आधारित मिठाइयों पर जीएसटी राहत की उम्मीद कर रहा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा की बंगाल में व्यापारियों का विश्वास है कि मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों और विकासोन्मुखी शासन के माध्यम से पश्चिम बंगाल एक बार फिर व्यापार, उद्योग, निर्यात और रोजगार का बड़ा केंद्र बन सकता है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय का इंतजार खत्म हुआ। ममता बनर्जी को धूल चटाने वाले शुभेंदु अधिकारी राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 09 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज अशोकनगर शाखा ने 50 जरूरतमंद परिवारों को वितरित किए इंडक्शन

सेवा कार्य से जरूरतमंद परिवारों को मिली आधुनिक एवं सुरक्षित कुकिंग सुविधा

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अशोकनगर शाखा द्वारा गुरुवार को राघव रत्न टावर्स स्थित समाज मीटिंग हॉल में निःशुल्क इंडक्शन स्टोव वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में 50 चयनित जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को इंडक्शन स्टोव वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना, महाराजा महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को महाराजा अग्रसेन जी के 18 गोत्रों एवं एक ईंट-एक रुपया सिद्धांत की विस्तृत जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राहुल हेगड़े, डीसीपी ट्रैफिक, हैदराबाद ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को खाना बनाने में सुविधा होगी तथा यह पर्यावरण के अनुकूल भी है। विशिष्ट अतिथि सुरेश टंडन ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम समाज को सशक्त एवं एकजुट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के प्रायोजक स्व.सत्यनारायण कानोडिया (तेज़ाबवाले)

के पौत्र एवं शाखा अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि यह सेवा कार्य महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतों से प्रेरित होकर व्यक्तिगत सहयोग से किया गया है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित एवं आधुनिक कुकिंग सुविधा उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम का संचालन शाखा की संस्थापिका एवं केंद्रीय समिति सदस्य पूजा गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि एवं पदाधिकारियों के करकमलों से लाभार्थियों को इंडक्शन स्टोव वितरित किए गए। सभी लाभार्थियों ने दानदाता परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मानद मंत्री सत्यनारायण गुप्ता, उप मंत्री रामगोपाल अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य महेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल सहित शाखा सदस्य श्वेता, अनिल अग्रवाल, जागृति, तृप्ति, संगीता अग्रवाल, नरेंद्र गोयल, रमेश अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, दीपक गुप्ता, मेघा अग्रवाल, विपिन अग्रवाल एवं सुनील अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवा प्रतिनिधि युग अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रवासी सम्मेलन में शामिल होने के लिए हैदराबाद पहुंचे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल का स्वागत करते हुए प्रवीण कोठारी।

नगर पहुंचे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी।

समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ प्रदर्शनी 15 से

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। फैशन तथा लाइफस्टाइल एक्जीबिशन हाईलाइफ का आयोजन 15 से 17 मई तक एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा।

समर फैशन स्पेशल तीन दिवसीय हाईलाइफ प्रदर्शनी में लक्जरी फैशन तथा लाइफस्टाइल से जुड़े वैभवपूर्ण व विशिष्ट उत्पादों को प्रस्तुत किया जाएगा। इस संदर्भ में शुक्रवार को कर्टन रेजर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अवसर पर फसीहा नौमान (टॉप मॉडल), अभिनेत्री आद्या एवं अन्य ने हाईलाइफ प्रदर्शनी की प्रचार सामग्री का लोकार्पण किया । जानकारी देते हुए बताया गया कि एचआईसीसी नोवोटेल में 15 मई से आयोजित होने वाली समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ एक्जीबिशन में देशभर से 350 से अधिक डिजाइनर भाग लेकर विविध प्रकार के फैशन तथा जीवनशैली पर आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। इनमें फैशन वियर, ब्राइडल वियर, लाइफस्टाइल वियर, डिजाइनर तथा फ्यूजन वियर, एसेसरीज, ज्वेलरी, होम डेकोर तथा आने वाले त्योहारों व मौसम के अनुकूल उत्पादों सहित अन्य विविध प्रकार की आकर्षक वस्तुओं का वृहद संग्रह शामिल होगा।

समर्पण का प्रतीक बन चुका है राधे-राधे ग्रुप : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया तथा सेवा भाव के साथ मानवता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर समाज सेवा के कार्यों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों के जीवन में आशा की नई किरण जगा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से

समाज की सेवा करता है, वही सच्चे अर्थों में मानवता का पालन करता है।

मनीष अग्रवाल ने कहा कि ग्रुप द्वारा नियमित रूप से चलाए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम से अनेक गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को आगे बढ़कर सेवा कार्यों में भाग लेना चाहिए ताकि जरूरतमंद लोगों की मदद की जा सके। उमाकांत गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज सेवा, सहयोग और सामाजिक समर्पण का पर्याय बन चुका है। ग्रुप के सदस्य निरंतर मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा और सेवा भावना का विशेष वातावरण देखने को मिला। अंत में सभी सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

कृष्णा पर्ल्स एंड ज्वैलर्स ने कोहिनूर ज्वैलरी अवार्ड्स 2026 में जीता प्रतिष्ठित सम्मान

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): गुणवत्ता, विश्वास, पवित्रता और नवाचार के 43 वर्ष 0ये मूल मूल्य रत्न और आभूषण उद्योग में कृष्णा पर्ल्स एंड ज्वैलर्स की उत्कृष्टता की यात्रा को निरंतर परिभाषित कर रहे हैं। अपनी शिल्प कौशल और विश्वसनीयता की विरासत को और मजबूत करते हुए, ब्रांड को दक्षिण भारत की सबसे बड़ी बी2बी ज्वैलरी प्रदर्शनी, 'हाइज' एचआईजेएस-हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वैलरी शो) में आयोजित प्रतिष्ठित कोहिनूर ज्वैलरी अवार्ड्स 2026 से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कारों का यह भव्य समारोह हैदराबाद में एचआईजेएस 2026 के साथ आयोजित किया गया था, जिसमें रत्न और आभूषण उद्योग के प्रमुख दिग्गजों और प्रतिष्ठित ब्रांडों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मिस इंडिया वर्ल्ड 2023, सुश्री नंदिनी गुप्ता उपस्थित रहीं। इस समारोह का उद्देश्य क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और उत्कृष्ट योगदान का जश्न मनाना था।

प्रमुख स्थानों पर 13 स्टोरों की उल्लेखनीय उपस्थिति के साथ, कृष्णा पर्ल्स एंड ज्वैलर्स ने अखिल भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों की पसंद बनकर अपनी एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। ब्रांड का नेतृत्व श्री देवेंद्र कुमार और श्री अंकित अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है, जो इसकी विरासत को कायम रखते हुए इसे नए मील के पत्थरों की ओर ले जा रहे हैं। यह पुरस्कार कृष्णा पर्ल्स एंड ज्वैलर्स के उन प्रयासों का प्रमाण है, जिसके माध्यम से उन्होंने दशकों से ग्राहकों का भरोसा जीता है। 1983 से शुरू हुई यह यात्रा आज आधुनिक डिजाइनों और पारंपरिक शुद्धता के मेल के कारण उद्योग में एक मानक बन चुकी है।

शिवरमपल्ली लक्ष्मी नगर कॉलोनी संजय कुमार सोनी के श्याम बाबा के जागरण में भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी का सम्मान किया

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन की बड़ी सफलता राजस्थान सरकार देगी उत्तम नस्ल के सांड

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गोशाला फेडरेशन को गोवंश संरक्षण एवं नस्ल सुधार के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। बंजारा हिल्स स्थित ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट कार्यक्रम के दौरान फेडरेशन एवं लव फॉर काऊ के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान सरकार के पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत से शिष्टाचार भेंट कर तेलंगाना की गोशालाओं के लिए राजस्थान की उत्तम नस्ल के सांड उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। बैठक के दौरान फेडरेशन के महेश अग्रवाल एवं लव फॉर काऊ के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना में गोवंश संरक्षण की वर्तमान स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने गोशालाओं में नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि तथा देशी गोवंश की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से राजस्थान के श्रेष्ठ सांड उपलब्ध कराने का आग्रह किया। फेडरेशन की ओर से विशेष

रूप से इन सांडों को निःशुल्क उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई।

गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए कहा कि राजस्थान की समृद्ध गो-परंपरा एवं श्रेष्ठ गोवंश का लाभ अन्य राज्यों को भी मिलना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर तेलंगाना की गोशालाओं को उत्तम नस्ल के सांड उपलब्ध कराने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, गो-सेवा की कोई सीमा नहीं होती। यदि राजस्थान का श्रेष्ठ गोवंश दूसरे राज्यों में नस्ल सुधार का माध्यम बनता है, तो यह हमारे लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार से भी शिष्टाचार भेंट कर तेलंगाना राज्य में कार्यरत गौशालाओं की जानकारी प्रदान की। प्रतिनिधिमंडल में मुकेश चौहान, दिलीप पालीवाल, जसराज श्रीश्रीमाल सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राजस्थान सरकार के इस निर्णय से तेलंगाना के गो-पालकों एवं गोशाला संचालकों में खुशी का माहौल है। लव फॉर काऊ के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार ने राजस्थान सरकार एवं गोपालन मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए इसे गो-संरक्षण एवं देशी नस्ल संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

हिलेस की कवि गोष्ठी और कवि आज

हैदराबाद, 8 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 616वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन शनिवार, 9 मई, 2026 को दिन में 3 बजे से आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, 9वीं मंज़िल, हैदराबाद में संपन्न होगा। इस गोष्ठी में श्री ठाकुर दिनेश सिंह और श्री अनुप कुमार कवि रविंद्रनाथ टैगोर पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कवि रवींद्रनाथ टैगोर (1861-1941) एक बहुआयामी प्रतिभा के धनी, नोबेल पुरस्कार विजेता (1913) कवि, साहित्यकार, दार्शनिक, संगीतकार और चित्रकार थे। 'गुरुदेव' के नाम से प्रसिद्ध, उन्होंने भारतीय साहित्य को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया, 'गीतांजलि' के लिए नोबेल जीतने वाले पहले एशियाई बने और भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' रचकर अमर हो गये। सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री अमृत कुमार जैन बतौर मुख्य अतिथि मंच की शोभा बढ़ायेंगे।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए हिंदी लेखक संघ हैदराबाद के संयोजक, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि वे कार्यक्रम का संचालन करेंगे और संघ की गतिविधियों से सभी को अवगत करायेंगे। द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन संपन्न होगा, जिसमें नगरद्वय के कवियों द्वारा देश के वर्तमान हालात और जीवन के विभिन्न चित्र अपनी कविताओं में प्रस्तुत किये जाएँगे। इस कवि गोष्ठी में नगरद्वय के जाने-माने कवियों के साथ युवा कवियों द्वारा भी काव्य पाठ किया जाएगा। गीतकार चंपालाल बैद ने सभी लेखकों, कवियों तथा हिंदी प्रेमी श्रोताओं को समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का निवेदन किया है। कार्यक्रम के आरंभ में श्री अमृत कुमार जैन की ओर से जलपाल की व्यवस्था रहेगी।

तेलंगाना 2030 तक बनेगा भारत की एयरोस्पेस और डिफेंस राजधानी: उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित ताज डेक्कन में शुक्रवार को एमएसएमई स्पार्क 3.0 – एयरोस्पेस और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया गया। एफटीसीसीआई और तेलंगाना सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, रक्षा विशेषज्ञों और उद्योग जगत के 400 से अधिक दिग्गजों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि और राज्य के सिंचाई मंत्री डॉ. एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने विश्वास जताया कि 2030 तक तेलंगाना भारत की निर्विवाद एयरोस्पेस और डिफेंस कैपिटल बनकर उभरेगा। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में लगभग 1,500 एमएसएमई पहले से ही इस क्षेत्र की सप्लाई चेन से जुड़े हैं। डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जी. सतीश रेड्डी और महानिदेशक डॉ. चंद्रिका कौशिक ने कहा कि यह सम्मेलन ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के अवसर पर हो रहा है, जिसने स्वदेशी रक्षा तकनीक की ताकत को पूरी दुनिया के सामने साबित किया है।

कच्छ के लिए रेल सेवा शुरू करने हेतु सांसद को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सांसद एवं दक्षिण मध्य रेलवे बोर्ड के सदस्य आर. कृष्णय्या से उनके निवास स्थान पर भेंट कर हैदराबाद-सिकंदराबाद से भूज अथवा गांधीधाम (कच्छ) तक सीधी रेल सेवा प्रारंभ करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

संस्था के उपाध्यक्ष पारस जागीरदार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार एवं कोषाध्यक्ष तोरल जागीरदार ने सांसद आर. कृष्णय्या को ज्ञापन सौंपकर कच्छ (भूज) के लिए सीधी रेल सेवा शुरू कराने का अनुरोध किया।रिद्धीश

जागीरदार ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि कच्छ, गुजरात एवं आसपास के क्षेत्रों के करीब पांच लाख लोग हैदराबाद, सिकंदराबाद, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों में निवास करते हैं। इनमें कच्छी जैन, कच्छी पटेल, कच्छी ब्राह्मण, कच्छी गुर्जर, गुजराती पटेल, लेवा पटेल एवं कड़वा पटेल समाज सहित विभिन्न समुदायों के लोग शामिल हैं, जो धार्मिक, सामाजिक एवं वैवाहिक अवसरों पर नियमित रूप से अपने गृह प्रदेश की यात्रा करते हैं। तोरल जागीरदार ने सांसद से सिकंदराबाद से सोमनाथ के लिए भी प्रतिदिन ट्रेन सेवा प्रारंभ करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी कच्छी समाज द्वारा पूर्व रेल मंत्रियों पीयूष गोयल, सुरेश प्रभु, ममता बनर्जी, दिनेश त्रिवेदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों एवं रेलवे अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी गत वर्ष इस संबंध में मुलाकात कर मांग रखी गई थी। पिछले 21 वर्षों से इस विषय को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।राज्यसभा सांसद आर. कृष्णय्या ने तत्काल रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम पत्र लिखते हुए इस विषय को राज्यसभा में उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कच्छी, गुजराती एवं जैन समाज की इस विशेष मांग को पूरा कराने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे।

अल्पसंख्यक छात्रों के लिए विशेष डिग्री कॉलेज स्थापित करेगी तेलंगाना सरकार: रेवंत रेड्डी

कौशल विकास और एआई प्रशिक्षण पर रहेगा विशेष जोर, पूर्ववर्ती जिला मुख्यालयों में खुलेंगे संस्थान

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य के पूर्ववर्ती जिला मुख्यालयों में अल्पसंख्यक छात्रों के लिए विशेष डिग्री कॉलेज स्थापित करने का निर्देश दिया है। इन कॉलेजों का मुख्य उद्देश्य छात्रों को केवल पारंपरिक शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें भविष्य की जरूरतों के अनुसार कौशल विकास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रशिक्षण से लैस करना है।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि छात्रों को ऐसा प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए जिससे उनके जीवनयापन के अवसर बढ़ सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेधावी अल्पसंख्यक छात्रों के लिए वैसी ही योजनाएं शुरू की जाएं, जैसी बीसी, एससी और एसटी समुदायों के छात्रों को प्रदान की जा रही हैं। इसके लिए उन्होंने एक समर्पित कार्यक्रम तैयार करने का भी सुझाव दिया।

ग्रुप सेवाओं के चयनित उम्मीदवारों को मिलेगी विभाग में जिम्मेदारी

समीक्षा बैठक के दौरान रेवंत रेड्डी ने एक नई पहल का प्रस्ताव रखा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रुप-1, ग्रुप-2 और ग्रुप-3 सेवाओं के लिए चयनित इच्छुक अल्पसंख्यक उम्मीदवारों की पहचान की जाए और उन्हें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के भीतर जिम्मेदारियां सौंपी जाएं। इस पहल का उद्देश्य इन अधिकारियों को विभाग के कामकाज और कल्याणकारी कार्यक्रमों का पूर्ण अनुभव प्रदान करना है।

साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया कि छात्र प्रोत्साहन कार्यक्रमों में सफल ग्रुप सेवा उम्मीदवारों और खिलाड़ियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। इससे छात्रों को शिक्षा और खेल के महत्व के प्रति प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इमामों और मौजमों के मानदेय को समय पर जारी करने के निर्देश भी दिए और आश्वासन दिया कि जहाँ भी भूमि उपलब्ध होगी, वहां कब्रिस्तानों के लिए जमीन आवंटित की जाएगी।

मूसी रिवरफ्रंट पर दिखेगी गंगा-जमुनी तहजीब की झलक

मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की।

उन्होंने बताया कि सरकार डीजल और पेट्रोल ऑटो को इलेक्ट्रिक इंजन में बदलने की योजना बना रही है, ताकि ऑटो रिक्शा चालकों का खर्च कम हो और उनके जीवन स्तर में सुधार आए।

कोडंगल को शिक्षा, उद्योग और कृषि के प्रमुख केंद्र के रूप में बदलने को प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार कोडंगल को एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र और राज्य में शिक्षा, उद्योग और कृषि के प्रमुख केंद्र के रूप में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के पुनर्निर्माण कार्यों का शिलान्यास करने के बाद कोडंगल में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोडंगल की पहचान 'गुडी' (मंदिर) और 'गड़ी' (किला) दोनों में निहित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब ये दोनों क्षेत्र के विकास के लिए एकजुट हो गये हैं।

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को 'गरीबों का तिरुपति' बताते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि यह मंदिर न केवल पूरे तेलंगाना में, बल्कि पड़ोसी कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी प्रसिद्ध है। उन्होंने याद दिलाया कि मंदिर के विकास के लिए टीटीडी फंड सुरक्षित करने में पूर्व विधायक नंदराम सूर्यनारायण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर पुनर्निर्माण कार्य प्रसिद्ध 'आगम शास्त्र' सलाहकार श्री सुंदरवरदाचार्युलु के निर्धारित शुभ मुहूर्त के अनुसार शुरू किये गये हैं। उन्होंने विद्वान की सेवाओं के सम्मान में तीर्थयात्री गेस्ट हाउसों में से एक का नाम उनके नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया। श्री रेड्डी ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनावों के दौरान कोडंगल के पार्टी कार्यकर्ता उनके साथ खड़े रहे और उनके मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने में बड़ी भूमिका निभायी।

मुख्यमंत्री नायडू ने शिकायत निवारण के लिए प्रजा दरबार जैसा मंच शुरू करने का किया ऐलान

विजयवाड़ा, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को जन शिकायत निवारण प्रणाली (पीजीआरएस) को मजबूत करने के लिए प्रजा दरबार के समान एक मंच शुरू करने का ऐलान किया है।

उन्होंने अधिकारियों को लोगों का विश्वास जीतने के लिए सार्वजनिक शिकायतों का समाधान तुरंत, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों को शिकायतों के समाधान के लिए मिलकर काम करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने सिंगापुर के शिकायत निवारण मॉडल से प्रेरणा लेते हुए समस्याओं के तेज और अधिक स्थानीय स्तर पर समाधान की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें मंडल स्तर भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित सातवें जिला कलेक्टरों के सम्मेलन के दूसरे दिन फाइल निपटान प्रणाली, सार्वजनिक शिकायत निवारण, डेटा एकीकरण, एडब्ल्यूएआरई और व्हाट्सप गर्वनेंस सहित प्रमुख क्षेत्रों की समीक्षा की।

उन्होंने सार्वजनिक शिकायतों के समाधान में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को शिकायत निवारण में किसी भी तरह की लापरवाही के प्रति आगाह किया। मुख्यमंत्री ने पूरे राज्य में ई-फाइल निपटान की समय-सीमा में हुए महत्वपूर्ण सुधार की सराहना की और बताया कि पिछले तीन महीनों में औसत निपटान समय लगभग 10 दिनों से घटकर लगभग 2 दिन रह गया है।

श्री नायडू ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेज करने को मंत्रियों, मुख्य सचिव साई प्रसाद, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और सचिवों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारी कार्यभार के बावजूद कुछ फाइलों का निपटान कुछ ही घंटों में कर दिया गया।

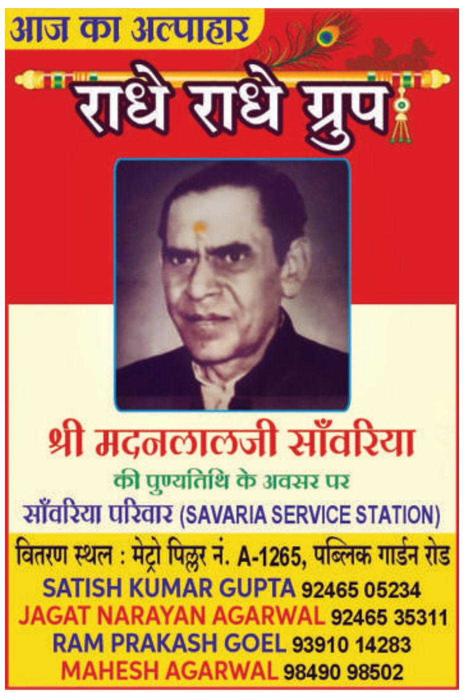

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.